सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 234 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 07 जून 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

टेंट की रस्सी गले में फंसी, पिकअप सवार युवक की मौत

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पिकअप वाहन में सेंटरिंग का सामान लाकर लौट रहे एक युवक की टेंट की रस्सी गले में फंसने से गिरकर मौत हो गई। हादसे में उसका एक कान भी कटकर अलग हो गया। यह घटना खरसिया थाना क्षेत्र की है। दरअसल शनिवार सुबह करीब 10 बजे गांव निवासी नंद कुमार सोनी के पिकअप चालक सोनू डनसेना, उनके नाती वीरेंद्र सोनी, रुद्र कुर्रे और आयुष सोनी को लेकर बसनाझर सेंटरिंग का सामान लाने गया था। वहां से सामान लोड कर सभी वापस लौट रहे थे। इसी दौरान बसनाझर की बस्ती में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन चल रहा था, जहां टेंट लगाया गया था। आरोप है कि पिकअप चालक तेज गति और लापरवाही से वाहन चला रहा था। इसी दौरान टेंट की रस्सी वीरेंद्र सोनी के गले में फंस गई, जिससे वह वाहन से नीचे गिर गया। हादसे में उसके गले में गंभीर चोट आई और उसका बायां कान कटकर अलग हो गया।

टीडीपी ने राज्यसभा चुनाव के लिए घोषित किए उम्मीदवार

विशाखापट्नम। आंध्र प्रदेश में आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी ने अपने तीन उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। टीडीपी प्रमुख और मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने चिंतकायला विजय, भाष्यम रामकृष्ण और मौजूदा राज्यसभा सदस्य साना सतीश को पार्टी उम्मीदवार बनाया है। नायडू ने वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में तीनों नेताओं को बी-फॉर्म सौंपे। इस फैसले को टीडीपी की नई राजनीतिक रणनीति और संगठन में वफादार नेताओं को आगे बढ़ाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

मैसेज में हत्या की जवाबदारी लेने वाला गिरफ्तार

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। जिले में कोटमी साप्ताहिक बाजार में 26 मई को सराफ व्यापारी प्रदीप सोनी से लूट और गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने मृतक के छोटे भाई मनोज सोनी के मोबाइल नंबर पर व्हाट्सएप संदेश भेजकर हत्या की जिम्मेदारी लेने वाले आरोपी को अंबिकापुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान प्रियांशु सिंह (26 वर्ष) के रूप में हुई है।हालांकि आरोपी से पूछताछ व जांच में अब तक इस हत्याकांड से कोई भी तार नहीं जुड़े हैं फ्लिहाल पुलिस आरोपी से बारीकी से पूछताछ कर रही है।

पोल्ट्री फार्म में घुसा तेंदुआ, 10 मुर्गियों का किया शिकार

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में एक पोल्ट्री फार्म में घुसकर तेंदुए ने 10 मुर्गियों का शिकार किया। घटना का CCTV वीडियो भी सामने आया है, जिसमें तेंदुआ जबड़े में दबाकर मुर्गियों को ले जाता दिखाई दिया। घटना केरेगांव रेंज के ग्राम मोहलाई में स्थित निजी पोल्ट्री फार्म की है। गुरुवार रात को तेंदुआ जाली तोड़कर फार्म के अंदर घुसा था। अंदर घुसते ही मुर्गियां फड़फड़ाने लगीं और इधर-उधर भागने लगीं। कुछ ही मिनटों में तेंदुए ने 10 मुर्गियों का शिकार किया। पोल्ट्री फार्म रिहायशी इलाके से 500 मीटर की दूरी पर है। घटना के बाद आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है।

छत्तीसगढ़ के लाल आयुष पांडे का इंडिया 'ए' क्रिकेट टीम में चयन, श्रीलंका में दिखाएंगे जौहर

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टीम में मिली जगह, वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रतिभावान युवा क्रिकेटर आयुष पांडे का इंडिया 'ए' टीम के श्रीलंका दौरे के लिए चयन हुआ है। इस उपलब्धि से प्रदेश में हर्ष और गर्व का माहौल है। आयुष पाण्डेय की इस सफलता को छत्तीसगढ़ के क्रिकेट जगत के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। इससे उभरते क्रिकेटरों को प्रोत्साहन मिलेगा।

आयुष पांडे के इंडिया 'ए' टीम में चयन पर छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि आयुष का चयन उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्ट तकनीकी कौशल का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि आयुष और उनके परिवार के लिए गौरव का विषय है।

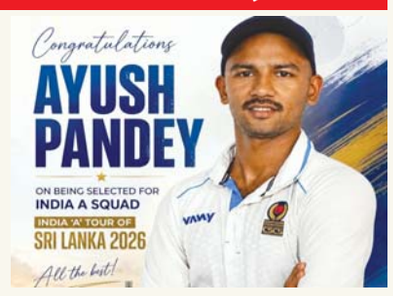

छत्तीसगढ़ के युवा राष्ट्रीय स्तर पर दिखा रहे प्रतिभा

मंत्री चौधरी ने कहा कि प्रदेश के युवा खिलाड़ी आज राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। आयुष पांडे की यह सफलता अन्य युवा खिलाड़ियों को भी अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आयुष श्रीलंका दौरे पर शानदार प्रदर्शन कर भारतीय क्रिकेट में अपनी मजबूत पहचान बनाएंगे।

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय ए टीम के खिलाड़ी

श्रीलंका दौरे पर इंडिया ए की कप्तानी ध्रुव जुरेल संभालेंगे। इसके अलावा देवदत्त पडिक्कल (उपकप्तान), साई सुदर्शन, आयुष पांडे, ऋतुराज गायकवाड़, शेख राशिद, हर्ष दुबे, अंशुल कंबोज, सारांश जैन, गुरनूर बराड़, एन जगदीशन (विकेटकीपर), अमन मोखाडे, आकिब नबी, यश ठाकुर व जीशान अंसारी को टीम में जगह मिली है।

जल संरक्षण का महाअभियानः मनरेगा से गांवों में हरियाली-आजीविका के साथ बढ़ेगा जल भंडार

मोर गांव-मोर पानी' अभियान से जल संरक्षण बना जनआंदोलन, रोजगार और ग्रामीण समृद्धि को मिली नई गति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित वर्षा और बढ़ते जल संकट के बीच छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण को लेकर एक व्यापक जनअभियान आकार ले रहा है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत संचालित 'मोर गांव-मोर पानी' महाअभियान के माध्यम से प्रदेशभर में जल संरक्षण, रोजगार सृजन, हरित विकास और आजीविका संवर्धन को एक साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। जल संरक्षण अब केवल सरकारी योजनाओं का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह जनभागीदारी से संचालित एक व्यापक सामाजिक पहल के रूप में विकसित हो रहा है।

अभियान के अंतर्गत प्रदेश में लगभग 1610 करोड़ रुपये की लागत से एक लाख से अधिक जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों का निर्माण किया जा रहा है। इनमें तालाब, डबरियां, चेकडैम, जल संवर्धन संरचनाएं, स्टैगर्ड कंटूर ट्रेंच, खेत तालाब और अन्य जल संरक्षण कार्य शामिल हैं। इन कार्यों के माध्यम से प्रदेश में प्रतिदिन 11 लाख से अधिक श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध हो रहा है, जिनमें 57 प्रतिशत महिलाएं हैं। इस प्रकार जल संरक्षण का यह अभियान प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का माध्यम भी बन रहा है।

आजीविका का सृजन

राज्य सरकार ने जल संरक्षण को सीधे ग्रामीण आजीविका से जोड़ने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। समाज के संवेदनशील और कमजोर वर्गों की निजी भूमि पर 13,065 आजीविका डबरियों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। इन परिसंपत्तियों के माध्यम से ग्रामीण परिवारों को मत्स्य पालन, बागवानी, सब्जी उत्पादन और अन्य आयवर्धक गतिविधियों के अवसर मिल रहे हैं।

मैदानों में जल संचयन

प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में ढलान और पहाड़ी भूभागों पर स्टैगर्ड कंटूर ट्रेंच (SCT) का निर्माण किया जा रहा है। ये संरचनाएं वर्षा जल के तेज बहाव को रोककर उसे भूमि में समाहित होने का अवसर देती हैं। इससे मिट्टी का कटाव कम होता है, भू-जल स्तर में सुधार होता है और वृक्षारोपण को आवश्यक नमी उपलब्ध होती है। इस समन्वित प्रयास से हरित आवरण में वृद्धि हो रही है।

पारदर्शिता और जनभागीदारी का मॉडल

मनरेगा में पारदर्शिता लाने प्रत्येक ग्राम पंचायत में क्यूआर कोड आधारित सूचना प्रणाली विकसित की गई है। इसके माध्यम से ग्रामीण अपने गांव में स्वीकृत और पूर्ण कार्यों की जानकारी ले सकते हैं। रोजगार दिवस, आवास दिवस, सामाजिक अंकेक्षण और जनसंवाद कार्यक्रमों के माध्यम से भी लोगों की भागीदारी और निगरानी को बढ़ावा दिया जा रहा है। जनप्रतिनिधियों, पंचायतों स्वयं सहायता समूहों की सक्रिय भागीदारी से जल संरक्षण जनआंदोलन का रूप ले चुका है।

कूनो में मादा चीता की मौत

भोपाल। कूनो नेशनल पार्क में चीता पुनर्स्थापन परियोजना को एक और बड़ा झटका लगा है। 27 महीने की भारतीय-जनित मादा चीता की उपचार के दौरान मौत हो गई। चीता प्रोजेक्ट की ओर से जारी आधिकारिक प्रेस नोट में इसकी पुष्टि की गई है। जानकारी के अनुसार, 1 जून की सुबह मॉनिटरिंग टीम को रेडियो कॉलर के सिग्नल से केजीपी-11 की लोकेशन पहाड़गढ़ के घने जंगल में मिली। मौके पर पहुंची टीम ने देखा कि मादा चीता के शरीर पर गहरे जख्म थे और वह चलने में असमर्थ थी। वन विभाग की टीम ने तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाकर उसे कूनो के पालपुर स्थित पशु चिकित्सा केंद्र में भर्ती कराया था। विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों और फील्ड स्टाफने उसके इलाज के लिए लगातार प्रयास किए। पालपुर स्थित वन्यजीव अस्पताल में वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम ने उसका परीक्षण किया परीक्षण में आंतरिक रक्तस्राव मिला। लगातार ड्रिप, एंटीबायोटिक और दर्द निवारक दवाएं दी गईं। लेकिन गंभीर चोटों के कारण उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मादा चीता की मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए 7 जून को पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि उसे चोट कैसे लगी और मौत की मुख्य वजह क्या रही। विशेषज्ञों की मानें तो खुले जंगल में दूसरी पीढ़ी के चीतों को सर्वाइव करना चुनौती है। उन्हें शिकार करना, इलाका बनाना और बड़े परभक्षियों से बचना सीखना पड़ता है। केजीपी-11 अभी पूरी तरह प्रशिक्षित नहीं थी। संभव है कि वह शिकार के चक्कर में तेंदुए के इलाके में चली गई हो।

सायकिलिंग हमें फिट बनाए रखता है - डिप्टी सीएम साव

सन्डे ऑन सायकल कार्यक्रम में शामिल हुए डिप्टी सीएम अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव विश्व सायकल दिवस पर जगदलपुर जगदलपुर में आयोजित 'सन्डे ऑन सायकल' कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने इस दौरान युवाओं के साथ सायकिलिंग और जुम्बा का आनंद लिया। उन्होंने कार्यक्रम में लोगों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने, फिट रहने व पर्यावरण को बचाने सायकल चलाने के लिए प्रेरित किया। सांसद महेश कश्यप, महापौर संजय पाण्डेय और कलेक्टर आकाश छिकारा भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री साव ने कार्यक्रम में खुद सायकल चलाकर पर्यावरण संरक्षण और फिट रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सायकल हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। नियमित सायकल चलाने से शरीर स्वस्थ रहता है। दैनिक जीवन में सायकल का उपयोग हमें फिट और ऊर्जावान बनाए रखने में मदद करता है। साव ने कहा कि सायकल पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक बचत का भी एक सरल माध्यम है। अधिक से अधिक सायकल का उपयोग कर हम स्वच्छ वातावरण बनाने में योगदान दे सकते हैं। सायकल हमारे लिए हर दृष्टि से उपयोगी है। हमें जितना संभव हो सके, सायकल का उपयोग करना चाहिए।

छत्तीसगढ़ में अगले 5 दिन बदल सकता है मौसम का मिजाज

प्रदेश के कई हिस्सों में जल्द होगी मानसूनी बारिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी और उमस के बीच मौसम का रुख बदलने लगा है। दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है और मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले कुछ दिनों में यह प्रदेश के कई हिस्सों में पहुंच सकता है। इसके प्रभाव से दक्षिणी और उत्तरी जिलों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने के आसार हैं।

शनिवार को प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। चंद्रपुर में सर्वाधिक 20 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड हुई, जबकि देवभोग, बस्तर और नवागढ़ क्षेत्र में भी बारिश ने मौसम को सुहाना बना दिया। हालांकि मध्य छत्तीसगढ़ के कई जिले अब भी भीषण गर्मी की चपेट में हैं।

मौसम विभाग के अनुसार बस्तर संभाग सहित सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर, कोंडागांव, रायगढ़, कोरबा, जशपुर, सरगुजा और बलरामपुर में गरज-चमक के साथ बारिश, तेज हवाएं और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। इन जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान बिलासपुर में दर्ज किया गया, जहां पारा 42.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं पेंड्रा रोड में तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया

साले की चाकू मारकर हत्या, अदालत ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पारिवारिक विवाद के बाद आरोपी ने अपने ही साले की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। अब अदालत ने आरोपी को आजीवन कारावास और जुर्माने से दंडित किया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, मामला संक्षेप में इस प्रकार है कि दाताराम सारथी निवासी मुनुंद का विवाह उर्मिला सारथी के साथ हुआ था। पति-पत्नी के बीच संबंध अच्छे नहीं होने के कारण उर्मिला अक्सर अपने मायके पत्थलगांव खुर्द में रहती थी। घटना से पहले जब वह मायके आई थी, तब वह गर्भवती थी। पुत्र को जन्म देने के बाद भी वह मायके में ही रह रही थी। घटन एक मई 2022 की है। आरोपी दाताराम सारथी ने अपने ससुराल पहुंचकर दूधमुंहे बच्चे को पत्नी उर्मिला सारथी से छीनकर ले जाने लगा। तभी आरोपी के साले महेश सारथी ने उसे बच्चे को ले जाने से मना किया तो विवाद में हत्या कर दी।

तीन महीने में दूसरी बार बढ़े एलपीजी के दाम, 29 रुपए महंगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। घरेलू रसोई गैस सिलिंडर की कीमतों में 29 रुपए की बढ़ोतरी कर दी गई है। नई दरें रविवार से लागू हो गई है। कीमतों में बढ़ोतरी के बाद राजधानी रायपुर में 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी के दाम 1013 रुपए हो गया है। दुर्ग भिलाई में इसकी दर 1013.50 रुपए प्रति सिलेंडर हो गया है। दिल्ली में एलपीजी सिलिंडर की कीमत 913 रुपए से बढ़कर 942 रुपए हो गई है।

पिछले तीन महीनों में दूसरी बार है जब घरेलू गैस सिलिंडर के दाम बढ़ाए गए हैं। इससे पहले 7 मार्च को प्रति सिलिंडर 60 रुपये की वृद्धि की गई थी। तेल कंपनियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ी ऊर्जा लागत और घरेलू बिक्री पर नुकसान के कारण कीमतें बढ़ानी पड़ी हैं।

आखिर गैस सिलिंडर की कीमत फिर क्यों बढ़ी?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में संकट की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलपीजी की कीमत तेजी से बढ़ी है। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय कीमतों का असर सीधे घरेलू बाजार पर पड़ता है और कीमतें बढ़ती हैं।

सऊदी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस 46 फीसदी बढ़ी

सरकार ने बताया कि फरवरी 2026 में सऊदी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस करीब 543 डॉलर प्रति टन थी, लेकिन पश्चिम एशिया संकट और होर्मुज मार्ग पर असर पड़ने के बाद यह बढ़कर जून में करीब 790 डॉलर प्रति टन पहुंच गई। यानी चार महीनों में करीब 46 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इसी वजह से गैस कंपनियों की लागत बढ़ी और सिलिंडर महंगा करना पड़ा।

धनकुबेर इंजीनियरः पांच इमारतें-14 प्लॉट और करोड़ों का कैश बरामद, गिनते थके अधिकारी

भुबनेश्वर। ओडिशा विजिलेंस विभाग ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में एक सरकारी इंजीनियर पर बड़ी कार्रवाई की है। शनिवार को हुई इस छापेमारी में करोड़ों रुपये की संपत्ति का खुलासा हुआ। विजिलेंस ने कंधमाल जिले के बालीगुडा में तैनात असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर बैकुंठ नाथ बेहेरा के ठिकानों पर छापे मारे।

जांच के दौरान बेहेरा के पास से दो करोड़ रुपये से ज्यादा का नकद कैश मिला है। इसके साथ ही पांच आलीशान बहुमंजिला इमारतें और 14 कीमती जमीन के प्लॉट भी मिले हैं। विजिलेंस विभाग को 341 ग्राम सोने के गहने और 45 लाख रुपये से ज्यादा के बैंक डिपॉजिट का पता चला है। अधिकारियों ने

बताया कि बेहेरा और उनकी पत्नी के नाम पर कुल चार बैंक लॉकर मिले हैं। इनमें से दो लॉकरों से ही दो करोड़ रुपये से ज्यादा कैश बरामद हुआ। बैंक मशीनों की मदद से नोटों की गिनती अभी चल रही है। विजिलेंस की तकनीकी टीम इमारतों और जमीनों की सही कीमत का पता लगा रही है। साथ ही सोने के गहनों और अन्य निवेशों के कागजात भी जांचे जा रहे हैं।

यह छापेमारी भुवनेश्वर, बारीपदा, जाजपुर के धर्मशाला और कंधमाल के बालीगुडा में एक साथ की गई। इस पूरी कार्रवाई को अंजाम देने के लिए विजिलेंस की कई टीमें बनाई गई थीं। इन टीमों में दो एडिशनल एसपी, पांच डीएसपी और छह इंस्पेक्टर के साथ अन्य कर्मचारी शामिल थे। भुवनेश्वर की स्पेशल विजिलेंस कोर्ट ने इन छापों के लिए सर्च वारंट जारी किया था। विजिलेंस के रिकॉर्ड के अनुसार, बैकुंठ नाथ बेहेरा ने साल 1999 में सरकारी नौकरी शुरू की थी। उस समय वह नबरंगपुर ब्लॉक में जूनियर इंजीनियर थे और उनका वेतन केवल 6,000 रुपये था। इसके बाद उन्होंने नबरंगपुर और उडाला में अलग-अलग पदों पर काम किया।

संपादकीय

तृणमूल कांग्रेस में टूट और ममता की बढ़ती चिन्ताएं

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), जिसने पिछले डेढ़ दशक से बंगाल की राजनीति पर लगभग एकाधिकार स्थापित कर रखा था, आज आंतरिक असंतोष, नेतृत्व संबंधी प्रश्नों और जनविश्वास के संकट से जूझती दिखाई दे रही है। पार्टी के भीतर असंतुष्ट नेताओं और विधायकों की गतिविधियों ने यह संकेत दिया है कि संगठनात्मक एकता में दरारें उभर रही हैं। यह स्थिति केवल किसी एक राजनीतिक दल का संकट नहीं है, बल्कि लोकतंत्र में राजनीतिक मूल्यों, जनभावनाओं और नेतृत्व की भूमिका पर पुनर्विचार का अवसर भी है। राजनीति में इतिहास बार-बार यह प्रमाणित करता रहा है कि जब भी सत्ता के साथ अहंकार जुड़ता है, जनता अंततः उसका उत्तर देती है। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक होती है। चाहे वह इंदिरा गांधी का आपातकाल हो, पश्चिम बंगाल में वामपंथी शासन या दिल्ली में आम आदमी पार्टी का अंत या फिर उत्तर प्रदेश एवं बिहार की अनेक राजनीतिक घटनाएँ-हर जगह जनता ने यह संदेश दिया है कि सत्ता जनता की सेवा के लिए है, शासन के अहंकार के लिए नहीं।

> “ पार्टी के भीतर असंतुष्ट नेताओं और विधायकों की गतिविधियों ने यह संकेत दिया है कि संगठनात्मक एकता में दरारें उभर रही हैं। यह स्थिति केवल किसी एक राजनीतिक दल का संकट नहीं है, बल्कि लोकतंत्र में राजनीतिक मूल्यों, जनभावनाओं और नेतृत्व की भूमिका पर पुनर्विचार का अवसर भी है। राजनीति में इतिहास बार-बार यह प्रमाणित करता रहा है कि जब भी सत्ता के साथ अहंकार जुड़ता है, जनता अंततः उसका उत्तर देती है। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक होती है।

ममता बनर्जी को कभी संघर्षशील, जुझारू और जननेता के रूप में देखा जाता था। उन्होंने वामपंथी शासन के लंबे दौर को समाप्त कर बंगाल में परिवर्तन का नया अध्याय लिखा। किंतु समय के साथ उनकी राजनीति पर अहंकारवाद, व्यक्तिवाद और तुष्टिकरण के आरोप बढ़ते गए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी के भीतर निर्णय प्रक्रिया का अत्यधिक केंद्रीकरण और कुछ व्यक्तियों का बढ़ता प्रभाव अनेक वरिष्ठ नेताओं को असहज करता रहा है। यही कारण है कि समय-समय पर असंतोष के स्वर उभरते रहे हैं। राजनीतिक टिप्पणीकारों द्वारा प्रकाशित विश्लेषणों में भी यह प्रश्न उठाया गया है कि यदि किसी दल में संगठन से अधिक व्यक्ति महत्वपूर्ण हो जाए, तो वहां असंतोष स्वाभाविक रूप से जन्म लेता है। हाल के घटनाक्रमों ने इस आशंका को और बल दिया है। जिस प्रकार पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता और विधायक नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं, उससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या केवल व्यक्तियों की नहीं, बल्कि संगठनात्मक संस्कृति की भी है।

भारतीय राजनीति में हाल के वर्षों में आम आदमी पार्टी और उसके नेता अरविंद केजरीवाल का उदाहरण भी इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। वर्ष 2013 से लेकर 2024 तक दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकले केजरीवाल को जनता ने ईमानदार, पारदर्शी और वैकल्पिक राजनीति के प्रतीक के रूप में स्वीकार किया। लेकिन समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, विरोधियों के प्रति असहिष्णुता, राजनीतिक अहंकार और स्वयं को अजेय मान लेने की प्रवृत्ति उनके नेतृत्व पर हावी होती दिखाई दी। जनता ने देखा कि जो दल कभी राजनीतिक शुचिता और नैतिकता की बात करता था, वह भी सत्ता के उसी मोह और व्यक्तिकेंद्रित राजनीति का शिकार होता जा रहा है, जिसके विरुद्ध उसने संघर्ष प्रारम्भ किया था। परिणामस्वरूप दिल्ली की राजनीति में उसका प्रभाव कमजोर हुआ और जनता ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि लोकतंत्र में कोई भी नेता अथवा दल जनता से बड़ा नहीं होता। यह घटना इस सत्य को पुनः स्थापित करती है कि जनता लंबे समय तक अहंकार, अतिशयोक्ति और आत्ममुग्धता को स्वीकार नहीं करती। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के समक्ष खड़ी चुनौतियों को भी इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। जब किसी दल का नेतृत्व स्वयं को संगठन और जनता से ऊपर मानने लगता है, तब असंतोष जन्म लेता है, कार्यकर्ता दूर होने लगते हैं और अंततः राजनीतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इतिहास बताता है कि लोकतंत्र में विनम्रता, संवाद, जनभावनाओं का सम्मान और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्धता ही स्थायी राजनीतिक सफलता की कुंजी हैं। किसी भी लोकतांत्रिक दल की शक्ति उसके विचार, संगठन और कार्यकर्ताओं में होती है, न कि केवल एक नेता में। जब दल विचारधारा की बजाय व्यक्तिपूजा पर आधारित होने लगते हैं, तब उनका संकट निश्चित हो जाता है।

पाकिस्तान के बाद अब बांग्लादेश पर भी डोरे डालने लगा तुर्किये

नीरज कुमार दुबे

तुर्किये ने साफ संकेत दे दिया है कि वह दक्षिण एशिया में अपनी मौजूदगी केवल व्यापार या मानवीय सहायता तक सीमित नहीं रखना चाहता। ढाका में हुई उच्च स्तरीय वार्ता में रक्षा सहयोग, रक्षा उत्पादन, सामरिक साझेदारी और आर्थिक विस्तार पर जिस गंभीरता से चर्चा हुई, वह भारत के लिए साधारण घटना नहीं है।

दक्षिण एशिया की बदलती भू राजनीतिक बिसात पर अब एक नया और बेहद खतरनाक समीकरण तेजी से उभर रहा है। भारत विरोधी रवैये के लिए लंबे समय से चर्चित तुर्किये अब केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने बांग्लादेश के साथ भी अपने रक्षा और सामरिक रिश्तों को तेजी से विस्तार देना शुरू कर दिया है। ढाका पहुंचे तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने जिस तरह बांग्लादेश को दक्षिण एशिया की सुरक्षा संरचना का महत्वपूर्ण स्तंभ बताया, उसने नई दिल्ली की चिंता और गहरा दी है। इस बयान को भारत के चारों ओर रणनीतिक दबाव बनाने की सुनियोजित चाल के रूप में देखा जा रहा है।

तुर्किये ने साफ संकेत दे दिया है कि वह दक्षिण एशिया में अपनी मौजूदगी केवल व्यापार या मानवीय सहायता तक सीमित नहीं रखना चाहता। ढाका में हुई उच्च स्तरीय वार्ता में रक्षा सहयोग, रक्षा उत्पादन, सामरिक साझेदारी और आर्थिक विस्तार पर जिस गंभीरता से चर्चा हुई, वह भारत के लिए साधारण घटना नहीं है। बांग्लादेश ने तुर्किये को रक्षा सामग्री निर्माण में निवेश का खुला न्योता दिया है। दोनों देशों ने पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर रणनीतिक साझेदारी की दिशा में कदम बढ़ाने की बात कही है। यह वही तुर्किये है जिसने पाकिस्तान के साथ मिलकर वर्षों तक भारत विरोधी मोर्चेबंदी की, कश्मीर मुद्दे पर खुलकर इस्लामाबाद का साथ दिया और इस्लामी सहयोग संगठन के मंचों पर भारत के खिलाफमाहौल बनाने का प्रयास किया।

उधर, दिल्ली की सबसे बड़ी चिंता यह है कि तुर्किये अब भारत के पश्चिमी मोर्चे पर पाकिस्तान और पूर्वी मोर्चे पर बांग्लादेश के साथ समानांतर सामरिक रिश्ते बना रहा है। यह दो तरफा दबाव की रणनीति जैसी दिखाई देती है। पाकिस्तान पहले से ही तुर्किये के रक्षा उद्योग, ड्रोन तकनीक और सैन्य प्रशिक्षण का लाभ उठा रहा है। अब यदि वही ढांचा बांग्लादेश तक पहुंचता है, तो भारत के लिए सुरक्षा समीकरण और जटिल हो जाएंगे। खास तौर पर तब, जब बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार अपनी विदेश नीति को नए ढंग से गढ़ने की कोशिश कर रही है।

इसके अलावा, तुर्किये और बांग्लादेश के बीच केवल रक्षा सहयोग ही नहीं, बल्कि आर्थिक और संस्थागत साझेदारी भी तेजी से बढ़ रही है। दोनों देश व्यापार को तेरह अरब डॉलर से बढ़ाकर बीस अरब डॉलर तक ले जाने की तैयारी में हैं। विशेष आर्थिक क्षेत्रों में तुर्किये को निवेश का निमंत्रण दिया गया है।

वस्त्र, दवा निर्माण, जहाज निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया जा रहा है। ढाका में अंतरराष्ट्रीय स्तर का अस्पताल और नर्सिंग संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव भी दिया गया है। यह साफ दिखाता है कि तुर्किये केवल सैन्य साझेदारी नहीं, बल्कि दीर्घकालिक प्रभाव स्थापित करने की नीति पर काम कर रहा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तुर्किये दक्षिण एशिया में खुद को मुस्लिम दुनिया के प्रभावशाली संरक्षक के रूप में स्थापित करना चाहता है। रोहिंग्या मुद्दे पर उसकी सक्रियता, गाजा पर आक्रामक बयानबाजी और बांग्लादेश के साथ मानवीय सहयोग इसी रणनीति का हिस्सा हैं। लेकिन इसके पीछे छिपा बड़ा उद्देश्य क्षेत्रीय प्रभाव विस्तार और भारत की सामरिक चुनौती को बढ़ाना है।

वैसे तो तुर्किये लगातार यह कह रहा है कि भारत को उसके पाकिस्तान से रिश्तों की वजह से उससे दूरी नहीं बनानी चाहिए। लेकिन असली सवाल भरोसे का है। राष्ट्रपति एर्दोआन कई बार खुलकर कश्मीर पर पाकिस्तान के समर्थन में बयान दे चुके हैं। तुर्किये ने पाकिस्तान के साथ अपने रक्षा रिश्ते भी काफी मजबूत कर लिए हैं। इतना ही नहीं, पिछले साल भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान तुर्किये ने पाकिस्तान को रक्षा उपकरण और ड्रोन तक मुहैया कराए थे। भारत ने पाकिस्तान की तरफ से आए जिन कई ड्रोनों को मार गिराया था, उनमें तुर्किये में बने ड्रोन भी शामिल थे। ऐसे में तुर्किये का भारत से दोस्ती और संतुलन की बात करना नई दिल्ली को एक सोची समझी रणनीतिक चाल जैसा लगता है। यही वजह है कि भारत भी अब तुर्किये को उसी की भाषा में जवाब दे रहा है।

दरअसल, भारत ने हाल के वर्षों में साइप्रस और ऑर्मेनिया के साथ अपने रक्षा संबंधों को तेजी से मजबूत किया है। ऑर्मेनिया अब भारतीय हथियारों का बड़ा खरीदार बन चुका है। साइप्रस के साथ भी भारत रणनीतिक और रक्षा सहयोग बढ़ा रहा है। यह सीधे-सीधे तुर्किये को संदेश है कि यदि अंकारा भारत के पड़ोस में दखल बढ़ाएगा, तो नई दिल्ली भी तुर्किये के सामरिक क्षेत्र में जवाबी दबाव बनाएगी। जिस तरह तुर्किये पाकिस्तान और अब बांग्लादेश के जरिए भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है, उसी तरह भारत भी तुर्किये के विरोधी या प्रतिस्पर्धी देशों के साथ संबंध मजबूत कर रहा है। यह नई शीत प्रतिद्वंद्विता का संकेत है।

उधर, बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की विदेश नीति भी इस समय भारत के लिए गहरी चिंता का विषय बनती जा रही है। भारत की ओर से सबसे पहले आधिकारिक यात्रा का निमंत्रण मिलने के बावजूद रहमान ने पहले मलेशिया और फिर चीन जाने का फैसला किया। ढाका ने साफ तौर पर यह संदेश देने की कोशिश की कि वह अब केवल भारत पर निर्भर रहने वाली नीति से आगे बढ़ना चाहता है। खास बात यह है कि चीन यात्रा के दौरान तीस्ता परियोजना समेत कई बड़े रणनीतिक मुद्दों पर बातचीत की संभावना जताई जा रही है। साथ ही तारिक रहमान की मलेशिया यात्रा को केवल एक सामान्य विदेश दौरे के तौर पर नहीं देखा जा रहा है। इसके पीछे साफ रणनीतिक सोच दिखाई दे रही है। बांग्लादेश नहीं चाहता था कि नई सरकार की पहली विदेश यात्रा सीधे भारत या चीन में से किसी एक देश की तरफ झुकाव का संकेत दे। यही वजह है कि ढाका ने मलेशिया को पहले पड़ाव के तौर पर चुना, ताकि वह खुद को तटस्थ दिखा सके और भारत, चीन प्रतिस्पर्धा से दूरी बनाने का संदेश दे सके। लेकिन इसके राजनीतिक और सामरिक मायने काफी बड़े हैं। मलेशिया यात्रा के बाद चीन जाने की तैयारी यह संकेत देती है कि बांग्लादेश अब अपनी विदेश नीति को नए संतुलन के साथ आगे बढ़ाना चाहता है। इससे भारत की चिंता इसलिए बढ़ रही है क्योंकि ढाका अब एक साथ चीन, तुर्किये, पाकिस्तान और अन्य इस्लामी देशों के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने की दिशा में बढ़ता दिख रहा है। यह आने वाले समय में भारत के लिए कूटनीतिक और रणनीतिक चुनौती को और कठिन बना सकता है।

देखा जाये तो भारत के लिए यह समय बेहद सतर्क रहने का है। पाकिस्तान के साथ तुर्किये की साझेदारी पहले ही चिंता का कारण थी, लेकिन अब यदि बांग्लादेश भी उसी धुरी का हिस्सा बनने लगता है, तो यह भारत की पूर्वी सुरक्षा संरचना के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। हालांकि भारत को कम करके आंकना ढाका, इस्लामाबाद और अंकारा तीनों की सबसे बड़ी भूल साबित हो सकती है। भले ही बांग्लादेश चीन, पाकिस्तान और तुर्किये के साथ मिलकर नए समीकरण बनाने की कोशिश करे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति बेहद दूरदर्शी और बहुस्तरीय मानी जाती है। कभी कभार ऐसा लग सकता है कि भारत चुप क्यों है, लेकिन इतिहास गवाह है कि सही समय आने पर प्रधानमंत्री मोदी का जवाब बेहद सटीक और ताकतवर होता है। कूटनीति का जवाब कूटनीति से और रणनीतिक चालों का जवाब उससे भी बड़ी चाल से देना ही मोदी की कार्यशैली रही है। यही वजह है कि आज भारत केवल अपने विरोधियों की गतिविधियों पर नजर नहीं रख रहा, बल्कि उनके हर कदम का जवाब देने के लिए समानांतर रणनीतिक मोर्चे भी तैयार कर रहा है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आखिर आर्थिक सुनामी के राजनीतिक व आर्थिक मायने क्या हैं?

कमलेश पांडे

जानकार बताते हैं कि आर्थिक सुनामी कोई औपचारिक आर्थिक शब्द नहीं है, बल्कि ऐसी स्थिति को बताने के लिए इस्तेमाल किया जाता है जब अर्थव्यवस्था को अचानक और व्यापक झटका लगे तथा उसके प्रभाव दूरगामी हों। इसके कुछ संकेत हो सकते हैं- जीडीपी वृद्धि दर में तेज गिरावट। बड़े पैमाने पर बेरोजगारी।

राहुल गांधी की आर्थिक सुनामी वाली चेतावनी को फिलहाल एक राजनीतिक चेतावनी और आर्थिक जोखिमों पर विपक्षी आक्रमण के रूप में देखा जाना चाहिए। क्योंकि उनका यह कहना कि भारत निश्चित रूप से आर्थिक सुनामी की ओर बढ़ रहा है, अभी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जल्दबाजी होगी। हालांकि वैश्विक परिस्थितियों और घरेलू आर्थिक चुनौतियों को देखते हुए इस बहस को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता।

आर्थिक मामलों के जानकार बताते हैं कि भारत में वास्तव में आर्थिक सुनामी आएगी या नहीं, इसका कोई निश्चित उत्तर अभी नहीं दिया जा सकता। लेकिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा हाल में दी गई चेतावनी ने आर्थिक और राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है। क्योंकि राहुल गांधी का तर्क है कि वैश्विक संकट, विशेषकर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, महंगाई, ईंधन कीमतों और आर्थिक असमानता के कारण भारत एक बड़े आर्थिक झटके की ओर बढ़ सकता है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा का कहना है कि भारत की अर्थव्यवस्था के पास पर्याप्त शॉक एब्जॉर्बर हैं विदेशी मुद्रा भंडार, नियंत्रित महंगाई, खाद्यान्न भंडार, डिजिटल अर्थव्यवस्था और मजबूत कर-संग्रह जैसी व्यवस्थाएं जो बाहरी संकटों का सामना करने में सक्षम हैं।

सवाल है कि क्या सचमुच आर्थिक संकट का खतरा है?

भारत के सामने कुछ वास्तविक चुनौतियाँ हैं: जैसे वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि की आशंका। निर्यात और निवेश पर अंतरराष्ट्रीय तनाव का असर। रोजगार सृजन की चुनौती। और कृषि और एमएसएमई क्षेत्र पर दबाव। लेकिन साथ ही भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में बना हुआ है, और कई आर्थिक संकेतक अभी व्यापक संकट की पुष्टि नहीं करते।

जानकार बताते हैं कि आर्थिक सुनामी कोई औपचारिक आर्थिक शब्द नहीं है, बल्कि ऐसी स्थिति को बताने के लिए इस्तेमाल किया जाता है जब अर्थव्यवस्था को अचानक और व्यापक झटका लगे तथा उसके प्रभाव दूरगामी हों। इसके कुछ संकेत हो सकते हैं- जीडीपी वृद्धि दर में तेज गिरावट। बड़े पैमाने पर बेरोजगारी। बैंकिंग या वित्तीय संकट। शेयर बाजार में भारी गिरावट। मुद्रा पर दबाव और महंगाई का बढ़ना। किसी भी सरकार या प्रधानमंत्री के रहते हुए आर्थिक संकट की संभावना को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता।

अर्थव्यवस्था अनेक घरेलू और वैश्विक कारकों से प्रभावित होती है, जैसे—वैश्विक मंदी या वित्तीय संकट। तेल की कीमतों में असाधारण वृद्धि। बड़े युद्ध या भू-राजनीतिक तनाव। प्राकृतिक आपदाएं या महामारी। घरेलू नीति संबंधी गंभीर त्रुटियां। हालांकि भारत की अर्थव्यवस्था में कुछ ऐसी ताकतें भी हैं जो बड़े झटकों को सहने में मदद करती हैं जैसे- विशाल घरेलू बाजार। अपेक्षाकृत मजबूत बैंकिंग और नियामक व्यवस्था। बढ़ता डिजिटल भुगतान तंत्र। बुनियादी ढांचे और विनिर्माण पर निवेश। विदेशी मुद्रा भंडार का पर्याप्त स्तर। दूसरी ओर, चुनौतियां भी मौजूद हैं—जैसे- युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार सृजन। कृषि आय में सुधार। निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ाना। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता। और, आय असमानता और उपभोग मांग का प्रश्न।

इसलिए निष्पक्ष रूप से कहा जाए तो पीएम मोदी के रहते आर्थिक सुनामी निश्चित रूप से आएगी या कभी नहीं आएगी दोनों दावे तथ्यात्मक रूप से सिद्ध नहीं हैं। भारत की आर्थिक स्थिति कई संकेतकों पर अपेक्षाकृत मजबूत दिखती है, लेकिन किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह यह वैश्विक और घरेलू जोखिमों से पूरी तरह मुक्त नहीं है। आर्थिक सुनामी की संभावना मुख्यतः नीतियों, वैश्विक परिस्थितियों और भविष्य की घटनाओं पर निर्भर करेगी, न कि केवल किसी एक नेता की उपस्थिति या अनुपस्थिति पर।

आइए जानते हैं आर्थिक सुनामी के प्रमुख संकेत के बारे में- पहला, शेयर बाजार में भारी गिरावट। दूसरा, निवेशकों की संपत्ति तेजी से घटती है। तीसरा, कंपनियों का बाजार मूल्य कम हो जाता है। चौथा, बेरोजगारी में तेज वृद्धि। पांचवां, उद्योगों और कंपनियों में छंटनी बढ़ती है। छठा, नए रोजगार सृजन की गति धीमी पड़ जाती है। सातवां, बैंकिंग और वित्तीय संकट। आठवां, ऋण वसूली की समस्या बढ़ती है। नौवां, बैंकों और वित्तीय संस्थानों पर दबाव आता है। दसवां, मुद्रा और महंगाई पर असर। दसवां, राष्ट्रीय मुद्रा कमजोर हो सकती है। ग्यारहवां, आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। बारहवां, व्यापार और उद्योग में मंदी। तेरहवां, उत्पादन घटता है। चौदहवां, निवेशक नए निवेश से बचते हैं।

कैमरे की बींधती निगाहों से तंग विराट कोहली

प्रदीप मैगजीन

विराट कोहली,क्रिकेट खेल की श्रेष्ठता और अधिकतम जश्न मनाने का प्रतीक, लगता है अब कैमरों की निरंतर बींधती आंख से तंग आ चुका है। आह, काश उन्हें एक पल के लिए भी उनकी लगातार पीछा करती नज़रों से छुटकारा मिल पाता- नज़रें जो उनकी निजी ज़िंदगी तक में ताका-झांकी और दखलअंदाज़ी करती है, यहां तक कि उनके प्रशिक्षण सत्रों तक में पीछा नहीं छोड़तीं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में, जिसमें उनकी संवेदनशील सोच और बेहतरीन वाक्पटुता सामने आई, कोहली ने कैमरों की उन पर लगातार घूमती नज़र से एक विनम्र अपील की : 'मेहरबानी कर मुझे अकेला छोड़ दो'।

वह खिलाड़ी जो उस युग का प्रतिनिधित्व करता हो, जिसमें जीत मनाना वह उन्माद है जो आक्रामक, भयभीत करने वाली शारीरिक भंगिमा के जरिए पाया गया हो। कुछ तो ऐसा हुआ है जिसने उनके अंतस को इतना परेशान कर डाला कि उन्हें इस प्रकार शिकायत करनी पड़ी। जब किसी खिलाड़ी की निजता में कैमरों की दखल देने वाली नज़रें घुसपैठ करने लगें तो ऐसी नाराज़गी होना जायज है।

जिस दौर में हम जी रहे होते हैं, उससे आकार पाते हैं। क्रिकेट के इतिहास में, जिस प्रकार इसके कप्तान खुद को दुनिया के सामने पेश किया करते थे, तो उनके बदलते व्यवहार का मामूली सा अध्ययन भी बहुत कुछ बता सकता है। आखिरकार, हम वही बनते हैं जो कुछ हमारे अंदर भरा जाता है। इतिहास के इस पहलू की ऐसी पड़ताल जाहिर तौर पर शौकिया है, जिसकी प्रेरणा अधिकांशतः कोहली की सच्ची अपील से मिली है।

सत्तर के दशक में, जब 'स्पिन के सरदार' बिशन सिंह बेदी भारत की कप्तानी कर रहे थे, उस वक्त जीत मनाने का इज़हार केवल एक हल्की-सी मुस्कान और हल्की ताली बजाकर किया जाता। तब, हर जगह पीछा करने वाली कैमरों की प्रवृति अपनी शैशवास्था में थी, और लोग अपने हीरो को पहचानने के लिए ज़्यादातर छपी हुई तस्वीरों पर ही निर्भर थे। यहां तक कि सत्तर के दशक की यह सहज हल्की-सी मुस्कान भी बीते दशक के मंसूर अली खान पटौदी के भावशून्य व करीब अबूझ व्यक्तित्व से नाटकीय रूप में अलग थी।

सुनील गावस्कर द्वारा व्यावहारिक दूरी बनाए रखना, कपिल देव के ज़मीन से जुड़े उपदेश-भारतीय कप्तानों की लंबी कतार एक ऐसे दौर

से जुड़ी थी जहां प्रदर्शनबाजी कम थी; यह कैमरों की दखलअंदाज़ी करती नज़रें धारदार होने से पहले का दौर था। आज के उलट, वह एक बदलाव का दौर था, जब जीत की अभिव्यक्ति गरिमापूर्ण और शांत तरीके से करना आम बात थी—जो आज के दौर में किसी पुरातन युग के अवशेष जैसा है।

सचिन तेंदुलकर ने संकोची और अंतर्मुखी मोहम्मद अज़हरुद्दीन से कप्तानी संभाली थी और जब तक सौरव गांगुली को सौंपी, तब तक सार्वजनिक नजरों का देखने का ढंग बदलने लगा था, जो धीरे-धीरे और ज़्यादा दखल देने वाली होती जा रही थीं। कम बोलने वाले तेंदुलकर ने अपनी एक ऐसी छवि बनाई, जहां लोगों से थोड़ी दूरी बनाए रखने से उनके प्रति सम्मान और भी गहरा हो जाता था। वह क्रिकेट की दुनिया के बाहर अपनी निजी ज़िंदगी के बारे में बहुत कम बातें बताते थे; एक बेहद निजी और एकांत पसंद व्यक्तित्व, जिसका कम बोलना उनके कद और लोकप्रियता को और भी बढ़ा देता। मीडिया से बात करने में उनकी हिचकिचाहट एक ऐसे इंसान की छवि दर्शाती थी जो उन लोगों के बीच सहज महसूस नहीं करता था जिन पर उसे भरोसा न हो, फिर भी वह उन्हें नाराज़ न करने का पूरा ध्यान रखते थे।

बींधने वाले कैमरे उस समय देर से आए, तब तेंदुलकर के नाम का वज़न ही इतना ज़्यादा हो चुका था कि उसका बोझ सिर्फ वही उठा सकते थे। एक तरह से, उनके व्यक्तित्व का ओज़ आस-पास के माहौल को इतना शालीन कर देता था कि वह सबको उनकी निजता में दखल न देने की सावधानी बरतने के लिए 'मजबूर' कर दे।

मुखर स्वभाव वाले सौरव गांगुली को इसकी कोई परवाह नहीं थी कि दुनिया उनके बारे में क्या सोचेगी, और उन्हें अपनी निजी और सार्वजनिक ज़िंदगी के बीच की सीमाएं मिटाने में आनंद आता था। उन्होंने विवादों का सामना किया और यहां तक कि उन्हें बनाया भी, लेकिन खुद को उनसे ज़्यादा परेशान हुए बगैर। बदलते समय में, बाहरी शोर-शराबे से खुद को बचाने के लिए 'मोटी खाल' होना ज़रूरी हो गया, वह 'खूबी' जिसकी कमी शायद उनके उत्तराधिकारी राहुल द्रविड़ में थी। द्रविड़ तो खैर अपने शानदार रिकॉर्ड बनाने में ही पूरी तरह मग्न रहे। उनके लिए कप्तानी परेशानी का सबब थी, और इसके थकाऊ प्रबंधकीय पहलू से धीरे से दूर हट गए।

लगता है महेंद्र सिंह धोनी ने अपनी सहजता से उस 'राक्षस' के खतरनाक इरादों को बूझ लिया था, जोकि कैमरा बनता जा रहा था। उन्होंने इसकी चुभती मौजूदगी को कुंद और बेअसर करने के लिए एक तरीका ईजाद कर लिया। बोलने का सधा हुआ और नपा-तुला अंदाज़ जो अक्सर चुप्पी धारण करने के करीब होता था उनकी शख्सियत का अहम हिस्सा बन गया। जो लोग किसी कहानी या विवाद की फिराक में रहते थे, मानो किसी जादू की तरह, खुद छिटक जाते। उनका कम बातूनी किंतु मिलनसार स्वभाव, जो शोर-शराबे वाले माहौल को भी चुप करवा दे, इसका बेहतरीन उदाहरण रहेगा कि बिना दुश्मन बनाए दूरी कैसे रखी जाती है।

ऊंची आवाज़, भावनात्मक उदगार और दबी नाराज़गी के खुलकर इज़हार के बाद जो कुछ आया वह कोहली की हताशा को परिभाषित करने वाला है और आश्चर्यजनक रूप से उनके जश्न मनाने के अंदाज़ को भी—उसमें परिणति का अहसास होना बदा था। रोहित शर्मा एक ऐसी भूमिका में ढले, जिसको आकार व्यवहार के तौर-तरीकों के लंबे इतिहास से मिला,वह जिन्हें आधुनिक क्रिकेट न केवल बढ़ावा देता है बल्कि उनका सामान्यीकरण भी करता है। रोहित उस स्कूल मास्टर की तरह थे, जो ऊपर से सख्त होने का दिखावा करता है, लेकिन दिल से एक प्यारा इंसान होता है; अपने खिलाड़ियों को दीं उनकी झिड़कियां कभी भी बदनीयत नहीं लगीं।

अपने प्रदर्शन से पहचान बनाने की कोशिश करने और आखिरकार एक आदर्श एवं मशहूर हस्ती के तौर पर खुद को स्थापित करने के मुकाम तक एक सफल खिलाड़ी कभी यह मंजिल एक तयशुदा लीक पर चलकर पाता था। लेकिन, आज के दौर में, ऐसा रास्ता बहुत सपाट, बेमज़ा लगता है। यह न तो किसी को रोमांचित करता है और न ही लोगों का ध्यान खींचता है। क्रिकेट का मैदान अपने आप में और भी विस्तृत हो गया है। निजता अब सार्वजनिक है और सार्वजनिकता निजता है। यह मुकाबला अब उत्तरोतर एक नाटक की तरह होता जा रहा है, जिसमें मुख्य कलाकारों को सिर्फ़खेल के मैदान पर ही नहीं, बल्कि उसके बाहर भी 'रील-मेकर' बनकर अभिनय करना पड़ता है।

जब काफी संवेदनशील और अपनी बात को बेहतर ढंग से रखने वाले कोहली निजता और मीडिया की निरंतर दखल देती नजरों से बचने की ज़रूरत के बारे में बात करते हैं, तो शायद वे उस बड़ी सच्चाई के बारे में बात करना भूल गए, जिसे खुद आधुनिक खेलों के बाजारीकरण ने ही पैदा किया है। उसके लिए, वह एक ऐसी आकर्षक हस्ती हैं, जिनकी उपलब्धियां, नखरे और यहां तक कि गुस्से से भरे उनके अंदाज भी, एक चुंबक की तरह काम करते हैं, दर्शकों और कैमरों, दोनों को एक समान अपनी ओर खींचते हैं। तो क्या हुआ अगर वे अब मीडिया की दखलअंदाजी से तंग आ गए हैं? नाटक और नाटकीयता के प्रति हमारी भूख इस कदर बढ़ गई है कि अगर कोहली न भी होते, तो हम उन जैसा गढ़ लेते।

आज के ज़माने के सितारे कैमरे के सहारे ही जीते हैं और उसी के हाथों खत्म भी हो जाते हैं। यह उनके लिए शोहरत पाने की खिड़की है एक ऐसा ज़रिया, जो अंततः एक गिद्ध बनकर उन्हें ही निगल सकता है।

लेखक वरिष्ठ खेल संवाददाता हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

कोड़िया में 100 क्विंटल से ज्यादा धान जलकर खाक

भिलाई। नंदिनी थाना क्षेत्र के कोड़िया धान खरीदी केंद्र में शनिवार को अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने धान के स्टॉक के बड़े हिस्से को चपेट में ले लिया, जिससे 100 क्विंटल से अधिक धान जलकर खाक हो गया। दरअसल, खरीदी केंद्र के पास पराली जलाने के कारण आग फैलकर धान संग्रहण स्थल तक पहुंच गई। केंद्र में बड़ी मात्रा में धान का भंडारण किया गया था। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। करीब पांच टैंकर पानी और कई घंटों की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने अफसरों से जानकारी ली और नुकसान का आकलन करने के साथ ही मामले की जांच के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय सूर्योत्थन में दुर्ग के विद्यार्थियों ने जीते पुरस्कार

दुर्ग। दार्जिलिंग में आयोजित सूर्योत्थान महोत्सव, राष्ट्रीय संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता में दुर्ग की तराना म्यूजिक अकादमी के विद्यार्थियों ने कई पुरस्कार जीते। शास्त्रीय, लोक, वोकल और वाद्य श्रेणियों में निर्णायकों का ध्यान खींचा। प्रथम पुरस्कार में कार्तिका तिवारी को भारतीय शास्त्रीय एवं लोक संगीत, कन्हैया बांके व समीर स्वरूप को सिनेमैटिक वोकल, गिटार वादन में शरण्या जायसवाल, शास्त्रीय गायन में शिवांसी सोंधी, स्वीटी मैती को सम्मान मिला। वहीं द्वितीय पुरस्कार में अर्नव दास को भारतीय शास्त्रीय गायन के लिए पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता में प्रशिक्षक अर्पिता कर को भी राष्ट्रीय स्तर पर निरंतर उत्कृष्ट परिणामों के लिए विशेष सम्मान दिया गया।

आत्मनिर्भर बनाने साहू समाज दे रहा मेहंदी प्रशिक्षण

दुर्ग। परिक्षेत्रीय साहू समाज बोरसी के तत्वावधान में बोरसी के मां कर्मा भवनमें नि:शुल्क मेंहदी प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत की गई। शिविर का उद्देश्य महिलाओं और युवतियों की कलात्मक क्षमता को निखारकर उन्हें घर से ही आय के अवसर उपलब्ध कराना है। प्रशिक्षण में बेसिक से लेकर उन्नत मेहंदी डिजाइन तक व्यवस्थित मार्गदर्शन दिया जाएगा और प्रशिक्षण पूर्ण करने वाली प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी मिलेगा। पदाधिकारियों ने बताया कि आज के दौर में हर उत्सव में मेहंदी लगाना आम बात हो गई है। ऐसे में यह रोजगार भी उपलब्ध कराएगा। मुख्य अतिथि पोषण साहू, अध्यक्ष, तहसील साहू संघ दुर्ग ने कहा कि प्रतिभागी लगन से प्रशिक्षण लें, उन्हें संघ का सहयोग मिलेगा।

उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय सांकरा में पर्यावरण दिवस

छत्तीसगढ़ सरकार कृषि में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध : कृषि मंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय दुर्ग द्वारा खेत बचाओ अभियान- स्वस्थ मिट्टी, सशक्त किसान, समृद्ध भारत विषय पर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, सांकरा में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि मंत्री रामविचार नेताम उपस्थित रहे। कृषि श्री नेताम ने इस अभियान का विधिवत शुभारंभ करते हुए एक पेड़ मां के नाम के तहत वृक्षारोपण किया।

विशिष्ट अतिथि के रूप में दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल, महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रवि आर. सक्सेना, जितेन्द्र वर्मा, सभापति नीलम राजेश चंद्राकर, सरपंच रवि सिगौर, हर्षा लोकमणी चंद्राकर, दिलीप साहू, कमलेश चंद्राकर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं किसान उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के उद्घोष के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा संचालित खेत बचाओ, पर्यावरण बचाओ अभियान वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अंधाधुंध रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से भूमि की उर्वरता प्रभावित हो रही है तथा इसका प्रतिकूल प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। आज अनेक बीमारियां बढ़ रही हैं, जिसका एक प्रमुख कारण दूषित पर्यावरण एवं असंतुलित कृषि पद्धति है। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक एवं जैविक खेती की ओर अग्रसर होने का आह्वान करते हुए कहा कि मिट्टी परीक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग तथा जल संरक्षण के माध्यम से कृषि को अधिक टिकाऊ बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार किसानों को आवश्यकतानुसार संसाधन उपलब्ध कराने तथा कृषि में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यदि हम अधिक से अधिक पौधे लगाते हैं तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण और पर्याप्त ऑक्सीजन उपलब्ध होगी। उन्होंने वर्ष 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए भूमि एवं पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया।

सांसद विजय बघेल ने कहा कि किसानों के हित में रासायनिक खेती के साथ-साथ जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण का संस्कार हमें बचपन से परिवार और समाज से मिलता है।

खुले में कचरा फेंकना और जलाना पूरी तरह प्रतिबंधित

सुप्रीम कोर्ट की सिविल अपील का परिपालन

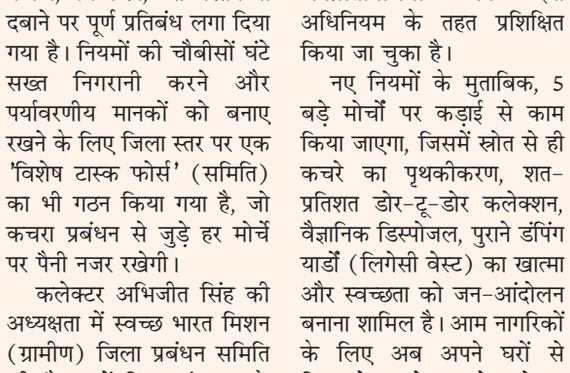

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में जिले को स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से स्वच्छता अभियान की शुरुआत की गई है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल अपील में पारित कड़े आदेशों और विगत 5 मई 2026 को जारी गाइडलाइंस के परिपालन में जिले के ग्रामीण इलाकों में 'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026' को पूरी कड़ाई से लागू करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत अब जिले में खुले में कचरा फेंकने, डंप करने, उसे जलाने या दबाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। नियमों की चौबीसों घंटे सख्त निगरानी करने और पर्यावरणीय मानकों को बनाए रखने के लिए जिला स्तर पर एक 'विशेष टास्क फोर्स' (समिति) का भी गठन किया गया है, जो कचरा प्रबंधन से जुड़े हर मोर्चे पर पैनी नजर रखेगी।

कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) जिला प्रबंधन समिति की बैठक में जिला पंचायत के सीईओ बजरंग दुबे ने बताया कि विगत दिवस अभियान अंतर्गत एक दिवसीय हाई-टेक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। इस कार्यशाला में जनपद पंचायत दुर्ग, धमधा एवं पाटन की समस्त 300 ग्राम पंचायतों के सरपंचों, सचिवों समेत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) व स्वच्छ भारत मिशन के 300 से अधिक मैदानी अधिकारियों और कर्मचारियों (बीपीएम, एरिया कोऑर्डिनेटर, पीआरपी, एफएल सीआरपी, कृषि, पशु व पोषण सखियों) को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इससे पूर्व विकासखण्ड स्तर पर भी जनप्रतिनिधियों को इस अधिनियम के तहत प्रशिक्षित किया जा चुका है।

नए नियमों के मुताबिक, 5 बड़े मोर्चों पर कड़ाई से काम किया जाएगा, जिसमें स्रोत से ही कचरे का पृथकीकरण, शत-प्रतिशत डोर-टू-डोर कलेक्शन, वैज्ञानिक डिस्पोजल, पुराने डंपिंग यार्डों (लिगेसी वेस्ट) का खात्मा और स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाना शामिल है। आम नागरिकों के लिए अब अपने घरों से निकलने वाले कचरे को 4 श्रेणियों (गीला, सूखा, सेनेटरी वेस्ट और स्पेशल केयर वेस्ट) में बांटकर देना अनिवार्य होगा।

जिले में नील-हरित काई उत्पादन का अभियान शुरू

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। खरीफ सीजन में धान उत्पादक किसानों की आय बढ़ाने, खेती की लागत कम करने तथा मृदा स्वास्थ्य सुधारने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा जिले में नील-हरित काई (ब्लू ग्रीन एल्गी-बीजीए) का उत्पादन एवं उपयोग हेतु प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जा रहा है। किसान भाई अपने घर या खेत की खाली जमीन पर बेहद कम खर्च में 'नील हरित टांका' बनाकर इसे खुद तैयार कर सकते हैं।

जिले में 217 नील हरित काई उत्पादन टांकों का निर्माण किया गया है, जहां किसानों को उत्पादन तकनीक एवं उपयोग संबंधी प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। नील-हरित काई एक प्रकार का जैविक उर्वरक है, जो पानी भरे हुये धान के खेत में तेजी से पनपता है और हवा में मौजूद नाइट्रोजन को सोखकर उसे पौधे के ग्रहण करने योग्य रूप में बदल देता है। धान की फसल को सबसे ज्यादा नाइट्रोजन की जरूरत होती है, इसलिए इसके उपयोग से खेत को प्राकृतिक रूप से भरपूर नाइट्रोजन मिलती है। रासायनिक खाद पर निर्भरता कम होती है और पैदावार बढ़ती है।

इसे तैयार करने के लिए जमीन पर 2 मीटर लंबी, 1-1.5 मीटर चौड़ी और 9 इंच गहरी एक क्यारी या टांका बनाकर, उसमें अच्छी क्वालिटी की मोटी प्लास्टिक शीट बिछाई जाती है। टांके में 25 से 30 किलोग्राम साफ छनी हुई उपजाऊ मिट्टी फैलाकर, उसमें 200-250 ग्राम बुझा हुआ चूना और 200 ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट प्रति वर्गमीटर के हिसाब से छिड़क कर 6 इंच पानी भर दिया जाता है। पानी स्थिर होने के बाद, इसमें 100 ग्राम प्रति वर्गमीटर के हिसाब से नील हरित शैवाल का 'मदर कल्चर' समान रूप से छिड़का जाता है, जिससे तेज धूप में मात्र 10 से 12 दिन में पानी की सतह पर शैवाल की मोटी नीली-हरी परत तैरने लगती है।

दुर्ग के तीन मोहल्लों में जलभराव से मिलेगी राहत

दुर्ग। राजीव नगर, मोहन नगर और संतरा बाड़ी के रहवासियों को बारिश में जलभराव, गंदे पानी की निकासी और आवागमन संबंधी समस्याओं से जल्द राहत मिलेगी। इन तीनों वार्डों में सड़क, नाली और पुलिया का निर्माण शुरू कर दिया गया है। महापौर अलका बाघमार ने जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के साथ इन विकास के कामों की नींव रखी। निगम के अनुसार वार्ड-2 राजीव नगर में सड़क सीमेंटीकरण, वार्ड-12 मोहन नगर में पुलिया एवं नाली निर्माण और वार्ड-26 संतरा बाड़ी में नाली निर्माण कराया जाएगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने बटालियन परिसर में किया पौधरोपण

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव प्रथम बटालियन, वार्ड-60 दुर्ग में वृक्षारोपण किया। साथ ही अन्य अतिथियों ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान मंत्री श्री यादव पुलिस जवानों से संवाद करते हुए पर्यावरण संरक्षण में उनकी सहभागिता और योगदान की सराहना की गई। मंत्री श्री यादव ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए प्रकृति संरक्षण बेहद जरूरी है और पौधारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाला अभियान होना चाहिए। इस अवसर पर आईजी अभिषेक सांडिल्य, कमांडेंट राजेश कुकरेजा, जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, मंडल अध्यक्ष मनमोहन शर्मा, पार्षद गुड्डु यादव, हिमांशु सिंह, मौसमी ताम्रकार, अभिषेक सिंह, धनंजय ठाकुर, मंगेश बोकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

विद्यार्थी उत्कर्ष योजना के तहत कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए आवेदन 20 तक

दुर्ग। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति/जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना के अंतर्गत दुर्ग जिले के अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्र-छात्राओं से कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए 20 जून तक आवेदन मंगाए गए हैं। इसके लिए वे छात्र पात्र होंगे, जो छत्तीसगढ़ के मूल निवासी हों, छग राज्य में मान्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग का हो, इसके लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी स्थायी जाति प्रमाण पत्र धारक हो। छत्तीसगढ़ में संचालित किसी मान्यता प्राप्त शाला से कक्षा 5वीं नियमित अध्ययनरत हो तथा कक्षा 4थी की परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक या समकक्ष ग्रेड प्राप्त किया हो। पालक की आय 2.50 लाख से अधिक न हो। चयनित छात्रों को जिला स्तरीय उत्कृष्ट आवासीय शिक्षण संस्थाओं में शासकीय व्यय पर पढ़ाई कराई जाएगी।

शून्य से 18 साल तक के दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन के लिए होगा व्यापक सर्वे

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समग्र शिक्षा अंतर्गत दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन एवं सर्वेक्षण के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने शून्य से 18 वर्ष तक के दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन हेतु जिले में व्यापक सर्वे अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने इस अभियान के लिए समाज कल्याण, जिला शिक्षा अधिकारी, एडीपीओ, डीएमसी, महिला एवं बाल विकास विभाग को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए।

बैठक में समग्र शिक्षा अधिकारी ने बताया कि यह सर्वेक्षण दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 में वर्णित 21 प्रकार की दिव्यांगताओं के आधार पर किया जाएगा। इसके लिए जिला स्तर से विकासखंड, संकुल एवं विद्यालय स्तर तक विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सर्वे के दौरान दृष्टिबाधित, कम दृष्टि, श्रवण बाधित, कुष्ठ रोग से मुक्त होने के बावजूद शारीरिक विकृति से प्रभावित, जीर्ण स्नायविक स्थिति सहित अन्य दिव्यांगताओं से प्रभावित बच्चों की पहचान की जाएगी। अभियान का मुख्य उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना, उनका नामांकन सुनिश्चित करना तथा आवश्यकता अनुसार शैक्षणिक सहयोग एवं सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि यह सर्वे व्यापक स्तर पर संचालित किया जाए। इसके तहत विकासखंड एवं क्लस्टर स्तर पर बीआरपी एवं स्पेशल एजुकेटर द्वारा सुपरवाइजर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मितानिन सहित जमीनी स्तर के कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाए। साथ ही प्रत्येक विद्यालय से एक शिक्षक को 'इंक्लूसिव एजुकेशन एंबेसडर' के रूप में चिन्हित कर विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

इंटरनेशनल ब्लू क्रॉस एंड ब्लू क्रीसेंट मूवमेंट्स की पहल

पर्यावरण दिवस पर महिला थाना परिसर में रोपे गए पौधे

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इंटरनेशनल ब्लू क्रॉस एंड ब्लू क्रिसेंट मूवमेंट्स के छत्तीसगढ़ चैप्टर की दुर्ग जिला इकाई द्वारा महिला थाना दुर्ग परिसर में पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में महिला थाना प्रभारी टीआई नीता सहित समस्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर संस्था की ओर से सभी पुलिस कर्मियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सम्मान स्वरूप एक-एक पौधा भी भेंट किया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व संस्था की नेशनल डायरेक्टर सरस्वती धानेश्वर ने किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। वृक्षारोपण प्रकृति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने का माध्यम भी।

इस अवसर पर संस्था के डिस्ट्रिक्ट कमांडर तरन सुरी, डिप्टी कमांडर नीलम बैनर्जी, सोशल वेलफेयर ऑफिसर ममता गोस्वामी, महिला वेलफेयर ऑफिसर सुनीता मुरकुटे, समन्वयक अधिकारी अभिषेक शर्मा, करना गुप्ता, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर राधिका देवांगन, अविनाश वैष्णव, लीगल हेड पुष्पलता साहू, लीगल ऑफिसर सीमा हिरवानी, एडवोकेट मोनिका सिंह संगीता चंद्राकर, सीमा मेश्राम सहित संस्था के अनेक सदस्यों ने सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों एवं पुलिस कर्मियों ने पर्यावरण संरक्षण, अधिकाधिक वृक्षारोपण तथा पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक जागरूकता का संदेश दिया गया।

ईस्ट एंड वेस्ट डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर के लिए 25 गांव चिंहित

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा 03 जून 2026 को जारी आदेश के माध्यम से दुर्ग जिले में प्रस्तावित ईस्ट एण्ड वेस्ट डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर परियोजना के निर्माण हेतु तहसील दुर्ग एवं पाटन के 25 ग्रामों में जमीनों की खरीदी बिक्री पर रोक लगा दी गई थी। अब इसमें आंशिक संशोधन किया गया है।

कलेक्टर के आदेश के अनुसार चिन्हित गांवों की निजी भूमि का खाता विभाजन, अंतरण, व्यपवर्तन, खरीदी-बिक्री आदि को प्रभावित ग्रामीणों के हितों की रक्षा और परियोजना के कार्यान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया जाता है। इन गांवों में यह आदेश आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा।

दुर्ग एवं भिलाई-3 तहसील के ये गांव चिन्हित

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आदेश में संशोधित करते हुए उक्त आदेश की कंडिका-4 में पूर्व में उल्लेखित ग्रामों के स्थान पर दुर्ग तहसील अंतर्गत ग्राम बिरेझर, चंगोरी, कोनारी, चंदखुरी, हनोदा, खम्हरिया, उमरपोटी, उतई, डुमरडीह, पाटन तहसील अंतर्गत ग्राम परेवाडीह, पहंडोर, औंधी, मगरघटा, बेन्द्री, नारधी, महकाकला, महकाखुर्द, कुरूदडीह, बटंग एवं भिलाई-3 तहसील अंतर्गत सिरसाकला, परसदा (पाहंदा), सोमनी, गनियारी, देवबलोदा, उरला कुल 25 ग्राम शामिल किया है। आदेश की शेष शर्तें यथावत् रहेगी।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

7 दिनों तक गूंजा योग का मंत्र, मनेंद्रगढ़ में इंटीग्रेटेड योग शिविर का भव्य समापन

एमसीबी। पतंजलि विश्वविद्यालय एवं भारत स्वाभिमान, पतंजलि योग समिति के संयुक्त तत्वावधान में 31 मई 2026 से सरस्वती शिशु मंदिर मनेंद्रगढ़ में संचालित निःशुल्क इंटीग्रेटेड योग शिविर का आज भव्य समापन हुआ। प्रतिदिन प्रातः 5 बजे से 7 बजे तक आयोजित इस योग शिविर में जिले भर के सैकड़ों योग साधकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, पुलिस जवानों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। समापन अवसर पर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी संतन देवी जांगड़े ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा उपस्थित लोगों को स्वस्थ जीवन के लिए नियमित योग करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित कर जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करती है। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मुख्य केंद्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थदेव जी के पावन सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में केंद्रीय प्रभारी संजय अग्रवाल, एपीसी राजीव सिंह, एसडीएम लिंगराज सिदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संस्कार शिविर में बच्चे सीख रहे जीवन जीने की कला

रायपुर। मालवीय रोड स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर (लघु तीर्थ) में 1 से 10 जून तक आयोजित 10 दिवसीय विशेष 'ग्रीष्मकालीन श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर' सफलता के नए सोपान तय कर रहा है। दिगंबर जैन मंदिर पंचायत ट्रस्ट (कार्यसमिति) एवं आदिनाथ विद्या धार्मिक पाठशाला के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में बच्चे भाग ले रहे हैं और अपने जीवन को सुसंस्कारी बनाने का अटूट संकल्प ले रहे हैं। शिविर के शैक्षणिक सत्र में सांगानेर (जयपुर) से आए प्रतिष्ठित विद्वान द्वारा बच्चों को बहुत ही सरल, सुबोध और संक्षिप्त परिभाषाओं के माध्यम से 'बाल बोध भाग-1' और 'भाग-2' का गहन अध्ययन कराया जा रहा है। शास्त्री जी अपनी अनूठी शिक्षण शैली से कठिन और क्लिष्ट धार्मिक सिद्धांतों को भी खेल-खेल में और अत्यंत आसान शब्दों में बच्चों के मानस पटल पर उतार रहे हैं, जिससे बच्चों में धर्म के प्रति रुचि लगातार बढ़ रही है।

पारंपरिक शिल्प एवं कला प्रशिक्षण शिविर, 8 जून से

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन, संस्कृति विभाग द्वारा पारंपरिक शिल्प कलाओं के संरक्षण, प्रचार-प्रसार, जागरूकता तथा रूचि जागृत करने के उद्देश्य से इस वर्ष ''आकार 2026 पारंपरिक शिल्प एवं विविध कला प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 08 जून से 14 जून 2026 तक स्थान उदयपुर (अम्बिकापुर) में सुबह 8रू00 बजे से 11:00 बजे तक एवं लखनपुर (अम्बिकापुर) में सायं 5:00 बजे से 8:00 बजे तक होगा। जिसका पंजीयन 06 जून 2026 से प्रातः स्थान शा.उच्च.मा. विद्यालय, उदयपुर एवं सायं पी.एम.श्री. स्कूल, लखनपुर में प्रारंभ हो रहा है। इच्छुक प्रशिक्षु नृत्य, नाटक, वाद्ययंत्र चित्रकला, मेहन्दी, मृदा शिल्प, गोदना, बांस विधा आदि विधाओं में ख्याति प्राप्त पारंगत कला गुरुओं द्वारा प्रशिक्षण दिया जावेगा।

जब बंदूक छूटी, तो हाथों में आया सुनहरा भविष्यः आत्म-समर्पित युवाओं की जिंदगी लिख रही विकास की नई कहानी

सुकमा में पुनर्वास की अनूठी पहल बनी राष्ट्रीय मिसाल, 280 से अधिक आत्मसमर्पित युवाओं को मिला रोजगार का रास्ता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर की पहचान लंबे समय तक संघर्ष, भय और नक्सल हिंसा के साये से जुड़ी रही है। सुकमा जैसे जिले के घने जंगलों में ऐसी कई पीढ़ियां बड़ी हुईं, जिन्होंने विकास से ज्यादा बंदूक की आवाज सुनी, स्कूल से ज्यादा भय देखा और सपनों से ज्यादा संघर्षों का सामना किया। लेकिन आज उसी सुकमा से एक ऐसी कहानी निकलकर सामने आ रही है, जो केवल बदलाव की नहीं, बल्कि उम्मीद और विश्वास की कहानी है। यह कहानी उन युवाओं की है, जिन्होंने कभी हिंसा का रास्ता चुना था, लेकिन आज वे अपने हाथों में निर्माण के औजार लेकर समाज के विकास में भागीदार बनने की तैयारी कर रहे हैं। यह कहानी उन बेटियों की है, जिन्होंने जंगलों की अनिश्चित जिंदगी छोड़कर आत्मनिर्भरता का रास्ता चुना है। यह कहानी उस प्रशासनिक संवेदनशीलता की है, जिसने आत्मसमर्पण करने वाले युवाओं को केवल मुख्यधारा में लौटने का अवसर नहीं दिया, बल्कि उन्हें सम्मान के साथ जीने का नया आधार भी दिया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा संचालित पुनर्वास और कौशल विकास कार्यक्रम के तहत जिला प्रशासन सुकमा और एसबीआई आरसेटी के संयुक्त प्रयासों से 25 आत्मसमर्पित युवाओं को राजमिस्त्री का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इनमें 13 महिलाएं और 12 पुरुष शामिल हैं। यह प्रशिक्षण केवल रोजगार देने का माध्यम नहीं, बल्कि जिंदगी को नए सिरे से गढ़ने का अवसर बन गया है।

इन युवाओं का अतीत संघर्षों से भरा रहा है। जंगलों में बिताए वर्षों ने उन्हें कठिन परिस्थितियों में जीना सिखाया, लेकिन भविष्य के सपने देखने का अवसर नहीं दिया। आज जब वे प्रशिक्षण केंद्र में ईंट जोड़ना, दीवार खड़ी करना और मकान बनाना सीख रहे हैं, तब वे केवल भवन निर्माण नहीं सीख रहे, बल्कि अपनी टूटी हुई उम्मीदों को भी फिर से जोड़ रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें आधुनिक निर्माण तकनीक, माप-जोख, चिनाई, प्लास्टर और भवन निर्माण के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जा रही है। आने वाले समय में यही युवा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) सहित विभिन्न निर्माण कार्यों में अपनी भूमिका निभाएंगे। जिन हाथों में कभी हथियार थे, वही हाथ अब किसी गरीब परिवार के सपनों का घर खड़ा करेंगे।

कोंटा क्षेत्र के अरलमपल्ली गांव की रहने वाली सोड़ी हूंगी उन महिलाओं में शामिल हैं, जिनके जीवन ने यह साबित किया है कि अवसर मिले तो परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन हों, बदलाव संभव है। हूंगी बताती हैं कि एक समय ऐसा था जब जीवन में हर दिन अनिश्चितता थी। लेकिन आत्मसमर्पण के बाद प्रशासन ने उन्हें सुरक्षा, सम्मान और सीखने का अवसर दिया। आज वे राजमिस्त्री का प्रशिक्षण ले रही हैं और अपने भविष्य को लेकर उत्साहित हैं। उनकी आंखों में आत्मविश्वास झलकता है जब वे कहती हैं, अब हम किसी पर बोझ नहीं रहेंगे। अपने हाथों की मेहनत से कमाएंगे और परिवार का सहारा बनेंगे। हूंगी जैसी कई महिलाओं के लिए यह प्रशिक्षण केवल रोजगार नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और स्वतंत्र पहचान का माध्यम बन गया है।

जगरगुंडा के मंडीमरका गांव के निवासी 'पदम रैनू' की कहानी भी उतनी ही भावुक और प्रेरणादायक है। जंगलों में बीते वर्षों को याद करते हुए वे कहते हैं कि वहां जीवन केवल संघर्ष और अनिश्चितता का पर्याय था। न रहने का ठिकाना, न भविष्य की कोई गारंटी। हर दिन नई चिंता होती थी।

लेकिन आज हमें रहने की सुविधा मिली है, सीखने का अवसर मिला है और सबसे बड़ी बात यह कि सम्मान मिला है। सरकार ने हमें भटकने से बचाया और जीने का नया रास्ता दिखाया। पदम की यह बात केवल उनकी व्यक्तिगत भावना नहीं, बल्कि उन सैकड़ों युवाओं की आवाज है, जिनके जीवन में पुनर्वास योजनाओं ने नया विश्वास पैदा किया है।

जिला प्रशासन की यह पहल केवल आत्मसमर्पित युवाओं के पुनर्वास तक सीमित नहीं है। इसका सकारात्मक प्रभाव जिले के विकास पर भी दिखाई दे रहा है। सुकमा के अनेक दूरस्थ क्षेत्रों में लंबे समय से कुशल राजमिस्त्रियों की कमी महसूस की जाती रही है। इससे प्रधानमंत्री आवास योजना और अन्य निर्माण कार्यों की गति प्रभावित होती थी। अब प्रशिक्षित युवा न केवल अपने लिए रोजगार का रास्ता बना रहे हैं, बल्कि जिले के विकास कार्यों को भी नई गति देने वाले हैं। इस प्रकार एक ही पहल ने दो बड़े लक्ष्य साध लिए हैं, एक ओर युवाओं को सम्मानजनक जीवन का अवसर मिला, दूसरी ओर विकास कार्यों को स्थानीय स्तर पर कुशल मानव संसाधन प्राप्त हुआ।

कलेक्टर अमित कुमार बताते हैं कि आत्मसमर्पण केवल हथियार छोड़ने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि व्यक्ति को समाज का जिम्मेदार और आत्मनिर्भर नागरिक बनाने की यात्रा है। इसी सोच के साथ अब तक लगभग 280 आत्मसमर्पित युवाओं को राजमिस्त्री का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। प्रशासन का लक्ष्य है कि पुनर्वासित युवाओं को ऐसा कौशल मिले, जिससे वे स्थायी रोजगार प्राप्त कर सकें और समाज में सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। यही कारण है कि प्रशिक्षण के साथ-साथ उनके सामाजिक और आर्थिक पुनर्स्थापन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

वायदे हो रहे पूरे, प्रदेश में है खुशहाली का माहौल- मंत्री टंक राम वर्मा

विकास की ओर बढ़ते कदमः सुहेला के बिटकुली गांव को मिली 34 लाख के विकास कार्यों की सौगात

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं और अधोसंरचना विकास को लगातार गति दी जा रही है। इसी कड़ी में प्रदेश के राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने शनिवार को तहसील सुहेला के अंतर्गत ग्राम बिटकुली में लगभग 34 लाख रुपए की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। उन्होंने ग्रामवासियों की सुविधा के लिए निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया और नए विकास कार्यों की आधारशिला रखी।

मंत्री वर्मा ने कार्यक्रम में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर 16 लाख रुपए की लागत से बनने वाले महतारी सदन का भूमिपूजन, 10 लाख रुपए की लागत से होने वाले गली कांक्रिटीकरण कार्य का शुभारंभ और 8 लाख रुपए की लागत से बनकर तैयार सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया।

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि हमारी सरकार शहर से लेकर गांवों तक चौतरफा विकास के कार्य कर रही है। सड़क, पुल-पुलिया सहित अनेक अधोसंरचना निर्माण कार्यों को तेज गति दी जा रही है। हमने जनता से जो भी वायदे किए थे, उनमें से अधिकांश को पूरा कर दिया गया है। आज किसान, महिला, युवा और गरीबकृहर वर्ग के लिए योजनाएं संचालित हो रही हैं। इन योजनाओं का लाभ उठाकर लोग आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं और पूरे प्रदेश में खुशहाली तथा समृद्धि का माहौल है।

गांव-गांव पहुंच रहा है सुशासन तिहार

मंत्री श्री वर्मा ने आगे कहा कि प्रदेश में इस समय सुशासन तिहार चल रहा है, जिसके तहत शासन और प्रशासन खुद जनता के द्वार यानी गांव-गांव तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय स्वयं लगातार जिलों का दौरा कर रहे हैं और सीधे आम जनता से मिलकर उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण कर रहे हैं। इस विकास उत्सव के अवसर पर जनपद अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रबुद्ध नागरिक और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे। ग्रामीणों ने विकास कार्यों की इस सौगात के लिए सरकार और मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से दूरस्थ अंचलों में पेयजल संकट दूर

श्रीकंचनपथ समाचार

सूरजपुर। प्रदेश के दूरस्थ, पहाड़ी एवं जनजातीय अंचलों में पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों और निर्देशों से महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। मंत्री के मार्गदर्शन में सूरजपुर जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा बंद पड़े सोलर पेयजल पंपों की मरम्मत तथा नए पंपों की स्थापना कर ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को पुनः सुचारु किया गया है।

सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखंड सहित विभिन्न दूरस्थ ग्रामों में तकनीकी खराबी के कारण प्रभावित पेयजल योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया गया। ग्राम करौटी-ए (परसापारा), कोलुहा भाटपारा एवं बैजानपाठ में नए मोटर पंप स्थापित कर सोलर पंपों को पुनः कार्यशील बनाया गया, जिससे ग्रामीणों को नियमित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने लगा है। इसके अलावा भैयाथान विकासखंड के दतिमा आमापारा इंद्रावास, कसकेला औरापारा तथा सूरजपुर विकासखंड के लटोरी कुशवाहापारा एवं मंजीरा फुलवारपारा में भी खराब सोलर पंपों की मरम्मत कर पेयजल आपूर्ति बहाल की गई। वहीं चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र के भाटपारा गांव में नया मोटर पंप स्थापित कर लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या का समाधान किया गया, जिससे विशेष रूप से पंडो समुदाय के परिवारों को बड़ी राहत मिली है। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा है कि प्रदेश के अंतिम छोर तक मूलभूत सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने दिव्यांग नंदकुमार को स्कूटी प्रदान की

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की संवेदनशील कार्यशैली और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का एक और उदाहरण कबीरधाम जिले में देखने को मिला। जिले के विकासखंड बोड़ला अंतर्गत ग्राम भलपहरी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ग्राम बोरियाकांपा निवासी दिव्यांग नंदकुमार पटेल ने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा से मुलाकात कर अपनी समस्या बताई और आवागमन की सुविधा के लिए स्कूटी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। नंदकुमार पटेल की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने तत्काल आवश्यक निर्देश दिए। उनके निर्देशों के अनुरूप आज उन्होंने अपने कवर्धा स्थित निवास कार्यालय में खुद नंदकुमार को सहायक उपकरण वाली स्कूटी प्रदान की। उन्होंने नंदकुमार को स्कूटी चलाने का प्रशिक्षण भी दिया।

स्कूटी प्राप्त करने के बाद नंदकुमार की खुशी का ठिकाना नहीं था। उन्होंने उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि अब उन्हें अपने दैनिक कार्यों, सामाजिक गतिविधियों तथा आवश्यक कार्यों के लिए आने-जाने में काफी सुविधा होगी। इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और वे अधिक स्वतंत्रता के साथ अपने कार्य कर सकेंगे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं और सहायता का लाभ पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शासन पूर्ण प्रतिबद्ध है। विशेष रूप से दिव्यांगजनों, जरूरतमंदों और वंचित वर्गों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मरीजों की सुविधा सर्वोपरि - मंत्री केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने अपने जगदलपुर प्रवास के दौरान भानपुरी सिविल अस्पताल एवं करंदोला में आयोजित जीवनदीप समिति की बैठक में शामिल होकर अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं और मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने चिकित्सकों की उपलब्धता, दवाओं के भंडारण, जांच सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मरीजों को समय पर उपचार, आवश्यक दवाएं और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। विशेष रूप से ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक संसाधन और व्यवस्थाएं विकसित की जा रही हैं, ताकि लोगों को अपने क्षेत्र में ही गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ और आसान तरीके से उपलब्ध हों।

वन मंत्री कश्यप ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं सीधे आम जनता के जीवन से जुड़ी हैं। अस्पतालों में पर्याप्त दवाएं, आधुनिक जांच सुविधाएं, साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था और मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल आने वाले प्रत्येक मरीज को सहज, सरल और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिलें। किसी भी प्रकार की लापरवाही या अव्यवस्था पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

मंत्री कश्यप ने कहा कि क्षेत्रवासियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए आवश्यक सभी कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि आम जनता को बेहतर उपचार और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। बैठक में स्थानीय जनप्रतिनिधि, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी तथा जीवनदीप समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

नवस्थापित द बुल एण्ड द मेटाडोर, धर्मचक्र, थॉट कॉर्नर-सेल्फी प्वाइंट बढ़ाएंगे अब शहर की सुंदरता

श्रीकंचनपथ समाचार

शहर सौदंर्यीकरण का ऐतिहासिक दिन

कोरबा। कोरबा शहर के सौदंर्यीकरण के लिये आज का दिन ऐतिहासिक दिन था, निगम द्वारा विभिन्न चौक-चौराहों में नवस्थापित ''द बुल एण्ड द मेटाडोर'' ''धर्मचक्र'' ''थॉट कॉर्नर-सेल्फी प्वाइंट'' अब कोरबा शहर की सुंदरता को और अधिक बढ़ाएंगे।

प्रदेश के उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, आबकारी व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने न्यू अग्रवाल चौक रातोखार, आई.टी.आई. चौक व कोसाबाड़ी चौक में स्थापित इन विशिष्ट प्रतीकों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, पार्षद नरेन्द्र देवांगन, अशोक चावलानी सहित निगम के पार्षद व जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

नगर पालिक निगम केारबा द्वारा उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, महापौर संजूदेवी राजपूत के मार्गदर्शन एवं कलेक्टर कुणाल दुदावत व आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में थीम आधारित शहर सौदंर्यीकरण के कार्य अनवरत रूप से किये जा रहे हैं। निगम द्वारा सुनालिया चौक दर्री रोड बाईपास मार्ग पर स्थित न्यू अग्रवाल चौक में ''द बुल एण्ड द मेटाडोर'' की लगभग डेढ़ टन वजनी प्रतिमाएं स्थापित कराई गई हैं, यह प्रतिमाएं ''वेस्ट टू वन्डर'' का उत्कृष्ट उदाहरण है, ये मनमोहक प्रतिमाएं अनुपयोगी आटो मोर्टस पार्ट्स व अन्य आयरन वेस्ट का उपयोग कर निर्मित की गई हैं। ''द बुल एण्ड द मेटाडोर'' जहाँ एक ओर कोरबा के स्टेऊथ पावर को उजागर करता है, वहीं इस स्टेऊथ को कंट्रोल करने के हुनर का भी प्रदर्शन करता है। ''द बुल एण्ड द मेटाडोर'' मूल रूप से स्टेऊथ का एक प्रसिद्ध खेल है, जो बुल फाइटिंग का एक हिस्सा है। आज उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने इसका लोकार्पण किया। इसी प्रकार निगम द्वारा आई.टी.आई.तानसेन चौक से व्ही.आई.पी. रोड पर निगम के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत के बगल में निगम द्वारा बनाये गये गोल्डन आफद वर्ल्ड रिकार्ड के सर्टिफिकेट को एक बड़े पोस्टर के रूप में स्थापित कर वहाँ पर सेल्फी प्वाइंट बनाया गया है, स्थल पर सुविचार लेखन हेतु पट्टिका स्थापित कर उसे थॉट कॉर्नर का स्वरूप दिया गया है। इसके साथ ही कोसाबाड़ी चौक शास्त्री चौक में भगवान बुद्ध के सिद्धांतों के प्रतीक धर्मचक्र कर स्थापना भी निगम द्वारा कराई गई है, आज इन मनमोहक व प्रेरणास्पद प्रतीकों का भी लोकार्पण उद्योग मंत्री देवांगन के हाथों सम्पन्न हुआ।

ई.व्ही.-चार्जिंग स्टेशन का लोकार्पण

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने मल्टीलेवल पार्किंग के समीप नवस्थापित ई.व्ही. चार्जिंग स्टेशन का लोकार्पण भी किया, यहाँ उल्लेखनीय है कि कोरबा शहर में इलेक्ट्रानिक वाहनों की बढ़ती हुई संख्या एवं इन वाहनों की चार्जिंग हेतु बेहतर चार्जिंग सुविधा उपलब्ध कराने के मद्देनजर नगर पालिक निगम केारबा द्वारा पूर्व में घंटाघर निहारिका मार्ग में स्मृति उद्यान के समीप ई.व्ही.चार्जिंग स्टेशन स्थापित किया गया था, जिसका बेहतर प्रतिसाद मिल रहा है तथा लोगों को अपने इलेक्ट्रानिक वाहनों की चार्जिंग की बेहतर सुविधाएं प्राप्त हो रही है, इस सुविधा को विस्तारित करते हुये निगम द्वारा कोरबा शहर में नवनिर्मित मल्टीलेवल पार्किंग के समीप एक और ई.व्ही.चार्जिंग स्टेशन स्थापित कराया गया है, जिसका लोकार्पण आज उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के करकमलों से सम्पन्न किया गया।

अत्यंत प्रशंसनीय कार्य

इस अवसर पर उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के द्वारा शहर सौदंर्यीकरण की दिशा में लगातार कार्य किये जा रहे हैं, जिसके लिये मैं उन्हें साधुवाद देता हूँ। उन्होने कहा कि इसी कड़ी में न्यू अग्रवाल चौक में द बुल एण्ड द मेटाडोर की अत्यंत सुंदर मूर्ति स्थापित की गई है, जो अनुपयोग लौह सामग्री व अनुपयोगी आटो मोटर पार्टस का उपयोग कर बनाई गई है, इसको बनाने वाले कलाकार को भी मैं साधुवाद देता हूँ।

प्राइवेट चैट में रामचरण पर क्या बोलीं जान्हवी?

दावा - 'पेद्दी' के मेकर्स से थीं परेशान; वल्गर शॉट का भी जिक्र!

'पेद्दी' फिल्म के रिलीज होने के बाद से ही एक्ट्रेस जान्हवी कपूर के किरदार को बेवजह वल्गर बनाने पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस बीच कुछ स्क्रीनशॉट सामने आए हैं, जिसमें एक्ट्रेस इस सीन्स को लेकर परेशान नजर आ रही हैं।

वायरल स्क्रीनशॉट में देखा जा सकता है कि जाह्नवी कपूर ने पहले ही वल्गर सीन्स को लेकर अपनी चिंता जाहिर की थी। उनके फैन क्लब्स ने कुछ चैट्स के स्क्रीनशॉट शेयर किए हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि जाह्नवी ने शूटिंग के दौरान कई बार कुछ सीन को लेकर आपत्ति जताई थी।

जाह्नवी ने कैमरा एंगल्स पर जताई थी आपत्ति

ये वायरल स्क्रीनशॉट 30 अक्टूबर के बताए जा रहे हैं। इसमें जाह्नवी कपूर वल्गर सीन्स पर बात करती नजर आ रही हैं। इसमें लिखा है कि उन्होंने खास तौर पर कुछ कैमरा एंगल्स इस्तेमाल न करने के लिए कहा था। उन्होंने लिखा, 'मैंने कहा था कि ऐसे वल्गर शॉट्स मत लेना।'

उन्होंने यह भी बताया कि उनके मना करने पर राम चरण ने भी उनका साथ दिया था। उन्होंने लिखा- 'राम सर बहुत अच्छे हैं, उन्होंने भी डायरेक्टर को कहा कि ऐसे एंगल्स मत लो। इसके बाद वो भी काफी भड़क गए थे।'

साउथ इंडस्ट्री में ऐसा ही होता है

एक और चैट में जाह्नवी ने इंडस्ट्री से जुड़ी बड़ी बात कही। उन्होंने लिखा, 'साउथ इंडस्ट्री में ऐसा ही होता है।' फैन क्लब ने गेम चेंजर में कियारा आडवाणी को मिली ट्रोलिंग का भी जिक्र किया। इस पर जाह्नवी ने कहा, 'इसमें तो उससे भी ज्यादा था, लेकिन राम सर ने साफ मना कर दिया।'

जब एक फैन ने पूछा कि एक ही हीरो के साथ काम करने वाली एक्ट्रेसेस के साथ ऐसा बार-बार क्यों होता है, तो जाह्नवी ने फिर वही बात दोहराई कि साउथ इंडस्ट्री में ऐसा होता रहता है।

आपको नहीं पता मैं क्या झेल रही हूं

सबसे चौंकाने वाली बात इन चैट्स में 'कंसेंट' यानी सहमति को लेकर सामने आई। एक जगह जाह्नवी ने अपनी परेशानी जाहिर करते हुए लिखा, 'आपको नहीं पता मैं क्या झेल रही हूं, उन्हें समझाने की कोशिश कर रही हूं।'

क्लोज-अप बोलकर कैमरा कहीं और फोकस कर देते हैं

उन्होंने यह भी बताया कि कुछ एक्ट्रेसेस के माता-पिता भी सेट पर आते हैं, जैसे श्रीलीला का उदाहरण दिया। जाह्नवी ने कहा कि अगर उनके पिता बोनी कपूर सेट पर आ जाएं, तो मामला और बिगड़ सकता है।

जाह्नवी ने यह भी कहा कि क्लोज-अप बोलकर कैमरा कहीं और फोकस कर देते हैं। भरोसा नहीं किया जा सकता। बातचीत के आखिर में जाह्नवी काफी परेशान नजर आईं। एक मैसेज में उन्होंने लिखा, 'अब और फिल्म नहीं, हम खत्म कर चुके हैं।' हालांकि, इस लोगों के सीन्स पर आपत्ति जताने के बाद डायरेक्टर बुची बाबू सना ने माफी मांगी है और सीन्स में बदलाव की बात कही है।

मैत्री मूवी मेकर्स ने नई तमिल फिल्म की घोषणा की

मैत्री मूवी मेकर्स ने अपने तीसरे तमिल प्रोजेक्ट, मैत्रीतमिल03 की घोषणा की है। इस फिल्म में अभिनेता सूरी मुख्य भूमिका में हैं और इसका निर्देशन आर. रविकुमार कर रहे हैं। यह घोषणा एक बेहद शानदार पोस्टर के साथ की गई, जिसमें सूरी कमर तक गहरे, गंदे बाढ़ के पानी में खड़े नजर आ रहे हैं। उनके हाथ में एक हथियार है और उनके चारों ओर तबाही का मंजर दिखाई दे रहा है। फिल्म का अंदाज़ काफी गंभीर और रहस्यमयी है, जो इस बात का संकेत देता है कि इसकी कहानी में ज़बरदस्त भावनात्मक गहराई और उथल-पुथल देखने को मिलेगी।

यह फिल्म, सूरी 07, दर्शकों को एक बेहद रोमांचक और ज़बरदस्त अनुभव देने का वादा करती है। इस समय सूरी अपनी पिछली फ़िल्मों— कोट्टुक्काली, विदुथलाई और मामानन —की सफलता का खूब आनंद ले रहे हैं। वहीं, निर्देशक आर. रविकुमार अपनी साइंस फिक्शन फिल्मों, जैसे इंद्रू नेत्रू नालै और आयलान के लिए जाने जाते हैं।

मैत्री मूवी मेकर्स ने इससे पहले गुड बैड अगली और ड्यूड जैसी तमिल फ़िल्में बनाई हैं। सूरी के फैन्स मैत्रीतमिल03 के बारे में और ज़्यादा जानकारी का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। अनाउंसमेंट पोस्टर ने तुरंत लोगों में उत्सुकता जगा दी है, और अब इस फिल्म को लेकर लोगों में काफी उम्मीदें बढ़ रही हैं।

सूरी अपने हाल के प्रोजेक्ट्स के साथ लगातार सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ रहे हैं, और उम्मीद है कि यह नई फिल्म उनकी बढ़ती सफलता में एक और मील का पत्थर साबित होगी। उनकी आने वाली फिल्मों में मंडाडी (जिसमें सुहास उनके साथ नजर आएंगे) और युझु कदल येझु मलाई शामिल हैं।

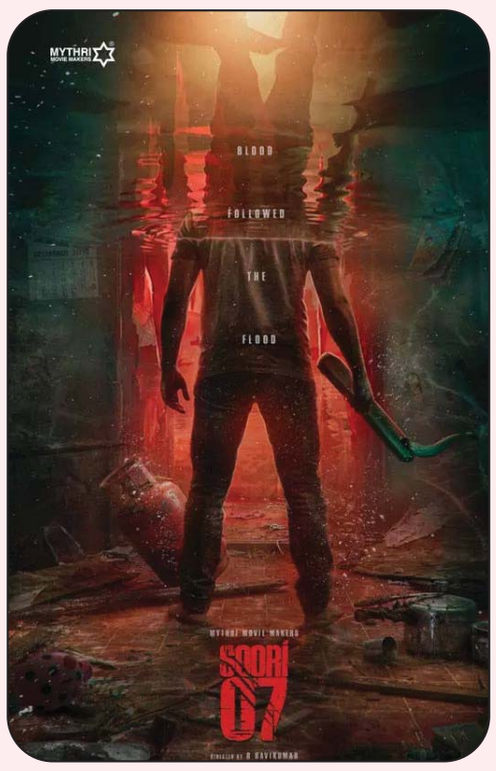

अमृता राव ने सादगी और अभिनय से जीता दर्शकों का दिल, 'पूनम' के किरदार ने दिलाई घर-घर में पहचान

सिनेमा जगत में कई अभिनेत्रियां आईं और गईं, लेकिन कुछ चेहरे ऐसे होते हैं जो अपनी सादगी और सहज अभिनय के कारण लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बने रहते हैं। अभिनेत्री अमृता राव भी उन्हीं सितारों में शामिल हैं। खासकर फिल्म 'विवाह' में निभाए गए 'पूनम' के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। कम फिल्मों में काम करने के बावजूद अमृता ने अपनी अलग छाप छोड़ी।

7 जून 1981 को मुंबई में जन्मीं अमृता राव का पालन-पोषण एक पारंपरिक कोंकणी परिवार में हुआ। शुरुआती शिक्षा मुंबई के अंधेरी स्थित एक स्कूल से पूरी करने के बाद उन्होंने सोफिया कॉलेज में साइकोलॉजी विषय से ग्रेजुएशन की पढ़ाई शुरू की। हालांकि मॉडलिंग की दुनिया उन्हें अपनी ओर खींच रही थी।

इसी वजह से उन्होंने पढ़ाई अधूरी छोड़कर मॉडलिंग में करियर बनाने का फैसला किया। शुरुआत में अमृता कई विज्ञापनों में नजर आईं। धीरे-धीरे उनकी पहचान बढ़ी और उन्हें म्यूजिक वीडियो में भी काम करने का मौका मिला। कैमरे के सामने उनका आत्मविश्वास और सहजता लोगों को पसंद आने लगी। इसी दौरान फिल्म निर्माताओं की नजर भी उन पर पड़ी और उनके लिए बॉलीवुड के दरवाजे खुल गए।

साल 2002 में अमृता ने फिल्म 'अब के बरस' से बॉलीवुड में कदम रखा। पहली ही फिल्म में उन्होंने अपने अभिनय से लोगों का ध्यान खींचा। इसके बाद उनका करियर लगातार आगे बढ़ता गया। वर्ष 2003 में रिलीज हुई 'इश्क विश्क' उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुई। इस फिल्म में उन्होंने शाहिद कपूर के साथ काम किया और दोनों की जोड़ी दर्शकों को खूब पसंद आई। फिल्म की सफलता के बाद अमृता युवा दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो गईं।

इसके बाद उन्होंने 'मस्ती', 'मैं हूं ना', 'वाह लाइफ हो तो ऐसी', 'शिखर' और 'प्यारे मोहन' जैसी फिल्मों में काम किया। हालांकि, उनकी सबसे यादगार फिल्मों में 'विवाह' का नाम सबसे ऊपर आता है। राजश्री प्रोडक्शंस की इस फिल्म में उन्होंने 'पूनम' का किरदार निभाया था। उनकी सादगी, पारिवारिक संस्कार और सहज अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया। आज भी कई लोग उन्हें 'पूनम' के नाम से याद करते हैं।

अमृता ने केवल हिंदी फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने तेलुगू सिनेमा में भी काम किया और अभिनेता महेश बाबू के साथ फिल्म 'अतिथि' में नजर आईं। इस फिल्म को भी दर्शकों ने पसंद किया। इसके बाद अमृता ने 'वेलकम टू सज्जनपुर', 'जॉली एलएलबी', 'सिंह साहब द ग्रेट, 'सत्याग्रह' और 'ठाकरे' जैसी फिल्मों में भी अपनी अभिनय क्षमता का परिचय दिया।

निजी जीवन की बात करें तो अमृता ने लंबे समय तक रेडियो जॉकी अनमोल सूद को डेट किया। दोनों ने साल 2016 में बेहद सादगी से शादी की। अमृता एक बेटे की मां हैं, जिसका नाम उन्होंने वीर रखा है। शादी के बाद अमृता ने फिल्मों से कुछ दूरी बना ली और परिवार को प्राथमिकता दी।

इन दिनों अमृता राव अपने पति आरजे अनमोल के साथ कपल ऑफ थिंग्स नाम का यूट्यूब चैनल चलाती हैं। इस मंच के जरिए वह अपने जीवन से जुड़े अनुभव साझा करती हैं और कई चर्चित हस्तियों के इंटरव्यू भी करती हैं।

हिबा नवाब बनीं जादूगरनी बिविच्ड से प्रेरित इस शो में आएंगी नजर

अभिनेत्री हिबा नवाब टीवी पर लौट आई हैं। वह एक नए पारिवारिक सिटकॉम में मुख्य किरदार निभा रही हैं जिसे क्लासिक अमेरिकी शो बिविच्ड से प्रेरणा लेकर बनाया गया है।

इसमें हिबा, ऊर्वशी नाम की एक प्यारी जादूगरनी बनी हैं। ऊर्वशी अपने पति आरव पटेल के लिए अपनी जादुई दुनिया तो छोड़ देती है, लेकिन जब रोजमर्रा के काम उलझने लगते हैं, तो वह जादू का इस्तेमाल करने से खुद को रोक नहीं पाती है।

इस शो में आपको खूब हंसी-मजाक देखने को मिलेगा और साथ ही राखी विजयन व अधिक मेहता जैसे जाने-पहचाने कलाकार भी नजर आएंगे।

हिबा का झनक के बाद यह पहला शो है। इस धारावाहिक में उन्हें जादू से भरी कॉमेडी करने का मौका मिल रहा है, जो भारतीय टीवी पर बहुत कम ही देखने को मिलती है।

इस साल की शुरुआत में वह एक सुपरनैचुरल थ्रिलर का हिस्सा बनने वाली थीं, लेकिन वो प्रोजेक्ट सिरे नहीं चढ़ पाया। हिबा जिजीजी छत पर है और वो तो है अल्बेला जैसे शोज के लिए जानी जाती हैं।

हिबा बताती हैं कि उनके परिवार ने हमेशा उनका साथ दिया है और करियर के हर उतार-चढ़ाव में उन्हें जमीन से जोड़े रखा व केंद्रित रहने में सहयोग दिया।

सर्दी-खांसी होने पर पानी पीने का नहीं करता मन, इन तरीकों से बढ़ा सकते हैं सेवन

सर्दी-खांसी होने पर शरीर का तापमान काफी बढ़ जाता है, जिससे पसीना आने लगता है। ऐसे में शरीर में पानी की कमी हो जाती है। साथ ही सर्दी-जुखाम होने पर प्यास लगना भी कम हो जाती है, जिसके चलते डिहाइड्रेशन की समस्या आम हो जाती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप सर्दी-खांसी होने पर भी पानी की कमी को पूरा कर सकते हैं।

गर्म पानी का सेवन करें

सर्दी-खांसी होने पर गर्म पानी का सेवन करना फायदेमंद हो सकता है। इसका कारण है कि गर्म पानी शरीर को जल्दी पानी की कमी से बचा सकता है और रोगों से लडने की ताकत को बढ़ा सकता है। दिनभर में 8-10 गिलास गर्म पानी पीने की कोशिश करें। हालांकि, ध्यान रखें कि पानी बहुत गर्म न हो, क्योंकि इससे मुंह के अंदर जलन हो सकती है। इस तरह से आप सर्दी-खांसी के दौरान पानी की कमी से बच सकते हैं।

ताजे फलों का रस पीएं

सर्दी-खांसी होने पर ताजे फलों के रस का सेवन करना भी फायदेमंद हो सकता है। इससे न केवल शरीर को पानी की कमी से बचाने में मदद मिलेगी, बल्कि विटामिन-सी की अधिक मात्रा भी मिलेगी। यह पोषक तत्व शरीर की रोगों से लडने की ताकत को बढ़ा सकता है। हालांकि, फलों के रस का सेवन करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। ताजे फलों के रस से शरीर को और भी फायदे मिल सकते हैं।

गुनगुने नींबू पानी का सेवन करें

नींबू विटामिन-सी का अच्छा स्त्रोत है, जो सर्दी-खांसी से राहत दिलाने में मदद कर सकता है। यह भी संक्रमण से लडने की क्षमता को बढ़ा सकता है। लाभ के लिए एक गिलास गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़ें और इसमें स्वादानुसार शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण का सेवन करें। नींबू पानी के सेवन से शरीर को और भी लाभ मिल सकते हैं, जैसे ताजगी और हाइड्रेशन आदि। आप इसमें नमक मिलाकर भी पी सकते हैं।

नारियल पानी पीएं

नारियल पानी में प्राकृतिक तत्व होते हैं, जो शारीरिक ऊर्जा को बढ़ाने के साथ-साथ शरीर से हानिकारक पदार्थों को बाहर निकालने में सहायक हैं। इसके अलावा इसमें मौजूद पोटेशियम और मैग्नीशियम शरीर में पानी के स्तर को संतुलित रखने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए नारियल पानी का सेवन दिनभर में 2 बार करें। नारियल पानी से शरीर को और भी फायदे मिल सकते हैं और त्वचा में निखार आ सकता है।

सूप पीएं

सूप पीने से भी शरीर को पानी की कमी से बचाने में मदद मिल सकती है। सूप पीने से शरीर को पोषक तत्वों के साथ-साथ पानी की भी भरपूर मात्रा मिलती है। आप चाहें तो सब्जी का सूप या फिर क्लियर सूप का सेवन कर सकते हैं। हालांकि, अगर आपको डॉक्टर ने क्लियर सूप पीने से मना किया है तो आप इसके बजाय सब्जी का सूप पीएं। सूप पीने से शरीर को और भी फायदे मिल सकते हैं।

खास खबर

शहरी क्षेत्रों में संचालित महत्वाकांक्षी योजनाओं की समीक्षा

बेमेतरा। राज्य शहरी विकास अभिकरण के उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं बेमेतरा जिले के नोडल अधिकारी सुनील अग्रहरि ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में सभी नगरीय निकायों के अधिकारियों की विभागीय बैठक लेकर शहरी विकास से जुड़े विभिन्न कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया । बैठक में नगरीय निकायों के कार्यों, जनहित से जुड़ी योजनाओं, अधोसंरचना विकास, स्वच्छता, जलप्रदाय, प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत मिशन तथा अन्य शहरी विकास परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई। उल्लेखनीय है कि नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव सुश्री आर. शंगीता ने आज प्रदेश के 194 नगरीय निकायों के जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों को समीक्षा बैठक लेकर शहरी विकास योजनाओं की निगरानी व स्थल निरीक्षण के निर्देश दिए हैं । बैठक के दौरान श्री अग्रहरि ने निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित उप अभियंताओ, लेखापाल, स्वास्थ्य, राजस्व, पेयजल, विद्युत विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों व वार्ड प्रभारियों को योजनाओं का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विधायक बोहरा ने महीडबरा से बांटी पथरा तक सड़क निर्माण का किया भूमिपूजन

कवर्धा। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने 2 करोड़ 69 लाख रुपए से अधिक की लागत से महीडबरा से बांटी पथरा तक 2.50 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया और क्षेत्रवासियों को बधाई दी। इस सड़क के निर्माण से वनांचल क्षेत्र के ग्राम महिडबरा, बांटीपथरा, दमगढ़, ताईतिरनी, अमलीटोला, घोघरा, नेउर कुशियारी, उतका एवं तिलियापानी के निवासियों व राहगीरों को सुगम, सुरक्षित और बारहमासी आवागमन की सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर भावना बोहरा ने कहा कि कहा कि हमारी सरकार का संकल्प है कि छत्तीसगढ़ के प्रत्येक ग्राम तक सुरक्षित, सुदृढ़ और सर्व मौसम सड़क संपर्क सुनिश्चित कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य और जन-कल्याण को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया जाए। बारहमासी सड़क संपर्क से हमारे वनांचल व ग्रामीण क्षेत्रों को बाज़ार, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, पोषण, आपदा प्रबंधन और दैनिक आवागमन में व्यापक सुविधा मिलेगी।

फिट इंडिया थीम पर सारंगढ़ में उत्साह के साथ सायकल रैली

सारंगढ़-बिलाईगढ़। खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग के द्वारा फ्रिट इंडिया और विश्व सायकल दिवस के मद्देनजर सुबह 7 बजे विश्राम गृह सारंगढ़ से कंपोजिट बिल्डिंग तक सायकल रैली का शानदार आयोजन किया गया। इसमें कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय, पूर्व विधायक केराबाई मनहर, ज्योति लाल पटेल, रेडक्रॉस अधिकारी लिंगराज पटेल सहित जिला प्रशासन के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, युवा, खिलाड़ी बच्चे आदि शामिल हुए। रैली के दौरान भारत माता की जय और फ्रिट इंडिया का नारा लगाया गया। कंपोजिट बिल्डिंग के किनारे बाउंड्री के पास लगभग सभी अधिकारी और जनप्रतिनिधियों ने पौधरोपण किया। इस दौरान नाश्ता, छाछ और पानी का प्रबंध किया गया था। रैली के समापन पर सभा का आयोजन किया गया था, जिसमें कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने आग्रह किया कि, स्वस्थ रहने के लिए कोई न कोई एक खेल जीवन में अवश्य अपनाएं, जिससे शरीर की स्वस्थता बनी रहे।

हाईटेक बस स्टैण्ड से कवर्धा में विकास का नया अध्याय प्रारंभ-विजय शर्मा

स्वर्णिम दिन का साक्षी बना कवर्धा, हाईटेक बस स्टैण्ड का शुभारंभ, कवर्धा में परिवहन व्यवस्था को मिली नई गति, हाईटेक बस स्टैंड से बस का संचालन शुरू

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कवर्धा नगर वासियों को लंबे अर्से बाद मिली हाईटेक बस स्टैण्ड की सौगात। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने विधिवत पूजा-अर्चना कर बस संचालन कार्य का शुभारंभ किया। हाईटेक बस स्टैण्ड प्रारंभ होने से 8 वर्षों का इंतजार खत्म हुआ और विकाद का नया अध्याय प्रारम्भ हो गया है। कवर्धा वासियों के साथ-साथ बस ऑपरेटरों ने बस संचालन का शुभारंभ होने से खुशी जताई। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कवर्धा वासियों के साथ-साथ उपस्थित बस ऑपरेटरों, संचालकों, टैक्सी, ऑटो चालकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा आज के दिन को कवर्धा के लिए स्वर्णिम दिन बताया।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि कवर्धा शहर के विस्तार का आज नया अध्याय प्रारंभ हुआ है। उन्होंने कहा कि हमने बनाया है हम ही संवारेंगे का कथन आज चरितार्थ हो रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह की सोच कर निर्णय से इसको बनाने का निर्णय लिया और तैयार किया गया और आज से इसका संचालन प्रारंभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि बस स्टैंड में सुगम आने जाने के लिए घोटिया रोड का निर्माण किया गया है। कवर्धा शहर के विस्तार के लिए यहां की जनता ने सहयोग किया और सड़क तैयार किया गया। आज उसी का परिणाम है कि नया बस स्टैंड प्रारंभ हुआ है।

उन्होंने कहा कि पुराने बस स्टैंड के खाली होने के बाद उस स्थान का भी बेहतर उपयोग किया जाएगा। महिलाओं की सुविधाओं अथवा अन्य जनोपयोगी कार्यों के लिए उसका उपयोग करने की दिशा में आगे योजना बनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नए बस स्टैंड परिसर में पुलिस सहायता केंद्र स्थापित किया गया है, जहां 24 घंटे पुलिस जवान तैनात रहेंगे ताकि यात्रियों को सुरक्षित और बेहतर वातावरण मिल सके। नगर पालिका अध्यक्ष श्री चंद्रप्रकाश ने बताया कि 10 करोड़ से अधिक की लागत से निर्मित आधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त हाईटेक बस स्टैंड से प्रतिदिन बस का संचालन होने से कबीरधाम जिले के लोगों का लंबे समय से चला आ रहा इंतजार समाप्त हो गया। बस स्टैंड तक पहुंचने वाले घोटिया-जुनवानी मार्ग के सकरे होने के कारण इसका संचालन शुरू नहीं हो पा रहा था। उप मुख्यमंत्री के सहयोग से मार्ग का चौड़ीकरण एवं निर्माण के लिए राशि स्वीकृत हुई। अवैध कब्जों को हटाकर चमचमाती सड़क निर्मित होने से कवर्धावासियों को हाईटेक बस स्टैण्ड की सौगात मिल पाई है।

कवर्धा शहर के पुराने बस स्टैण्ड से संचालन होने वाली बसें अब हाईटेक बस स्टैण्ड से होगा। जिसके लिए यातायात विभाग, परिवहन विभाग व नगर पालिका परिषद कवर्धा सहित बस संचालक, ऑपरेटर, ऑटो संचालक के साथ समन्वय बनाकर रूट तय किया गया है। हाईटेक बस स्टैंड स्थानांतरण को लेकर बस संचालकों, ऑटो संचालकों तथा पुलिस विभाग के साथ समन्वय कर सभी आवश्यक बिंदुओं पर सहमति बनाई गई है। विशेष रूप से विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ऑटो संचालकों ने पहचान पत्र दिखाने वाले छात्र-छात्राओं को प्राथमिकता देने तथा न्यूनतम किराये पर सेवा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। साथ ही स्कूल कॉलेज आने वाले छात्र-छात्राओं को सुबह 9 बजे पुराने बस स्टैण्ड तक छोड़ा जायेगा। इसी तरह रायपुर, बिलासपुर, राजनांदगांव से रात्रि 8 बजे के बाद आने वाले यात्रियों को पुराने बस स्टैण्ड में उतारा जायेगा।

सीसीटीवी सहित अन्य व्यवस्थाएं की गई सुनिश्चित: बस स्टैंड परिसर के चारों ओर सीसीटीवी कैमरे एवं बस स्टैण्ड परिसर में ही पुलिस सहायता के लिए चौकी की भी स्थापना की गई है। परिसर में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है ऑटो स्टैंड एवं पार्किंग स्थल चिन्हांकित किया गया है। इस अवसर पर पूर्व विधायक सियाराम साहू एवं मोतीराम चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण सदस्य भगत पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी, नितेश अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, नागरिक, बस एवं ऑटो रिक्शा संघ के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

किसानों की अतिरिक्त आमदनी का जरिया है दुग्ध उत्पादन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश के ग्रामीण किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए कृषि के साथ ही अन्य व्यवसायों से जोड़ा जा रहा है। इसी कड़ी में महासमुंद जिले में कृषि के साथ-साथ पशुपालन से ग्रामीणों की आजीविका से जोड़ा गया है। जिले में करीब 1,78,533 गौवंशीय एवं 12,776 भैंसवंशीय सहित कुल 1,91,309 पशुधन उपलब्ध है। जिले में वर्तमान में दुग्ध उत्पादन एवं दुग्ध व्यवसाय लगातार प्रगति पर है तथा प्रतिदिन बड़ी मात्रा में दूध का क्रय-विक्रय किया जा रहा है।

पशुधन विकास विभाग क जानकारी के अनुसार देवभोग दुग्ध महासंघ द्वारा जिले से प्रतिदिन लगभग 17 हजार 200 लीटर दूध क्रय किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त निजी डेयरियों द्वारा भी किसानों से बेहतर दर एवं समय पर भुगतान कर बड़ी मात्रा में दूध खरीदा जा रहा है। निजी डेयरियों में हर्षन डेयरी सरायपाली द्वारा प्रतिदिन 6000 लीटर, शारदा डेयरी सरायपाली द्वारा 4000 लीटर, प्रगति डेयरी सरायपाली द्वारा 2000 लीटर, शारदा डेयरी पिथौरा द्वारा 4000 लीटर तथा गाया डेयरी महासमुंद द्वारा प्रतिदिन 1000 लीटर दूध क्रय किया जा रहा है। इस प्रकार निजी डेयरियों द्वारा प्रतिदिन लगभग 17 हजार लीटर दूध खरीदा जा रहा है। देवभोग दुग्ध महासंघ एवं निजी डेयरियों को मिलाकर जिले से प्रतिदिन लगभग 34 हजार लीटर दूध का विक्रय दुग्ध समितियों के माध्यम से किया जा रहा है, जो विगत वर्ष की तुलना में अधिक है।

यहां जिले में किसानों को दुग्ध विपणन का कार्य में दुग्ध सहकारी समितियों से जोड़ा गया है। पहले 131 सक्रिय दुग्ध समितियां संचालित है, वहीं शासन की सहकारिता से समृद्धि की मंशानुरूप 25 नई दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया गया है। वर्तमान में जिले में कुल 156 सक्रिय दुग्ध समितियां संचालित हैं तथा 30 नई समितियां प्रारंभ करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से पशुपालक किसानों को उन्नत हरा चारा उत्पादन एवं साईलेज निर्माण हेतु लगातार प्रेरित किया जा रहा है। हरा चारा एवं साईलेज पशुओं के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार का प्रमुख स्रोत है, जिससे पशुओं का स्वास्थ्य बेहतर रहता है तथा दुग्ध उत्पादन क्षमता में वृद्धि होती है। वर्षभर हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु साईलेज निर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

अब तक 32 पशुपालकों को टाँक डेयरी फार्म, सेमरिया जिला रायपुर का भ्रमण कराकर साईलेज निर्माण की तकनीकी जानकारी प्रदान की गई है तथा 16 हितग्राहियों को चारा उत्पादन एवं साईलेज निर्माण हेतु अनुदान उपलब्ध कराया गया है। साथ ही पशुपालकों को नेपियर, बरसीम, अजोला आदि हरे चारे के उपयोग हेतु कृषक संगोष्ठियों के माध्यम से लगातार प्रेरित किया जा रहा है। जिले में उन्नत नस्ल के पशुओं की संख्या बढ़ाने हेतु कृत्रिम गर्भाधान कार्य निरंतर किया जा रहा है।

सुशासन तिहार 2026: विकासखंड लुण्ड्रा के रीरी क्लस्टर में समाधान शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

अम्बिकापुर। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जिले के लुण्ड्रा विकासखंड के सुदूर ग्राम पंचायत रीरी में जनसमस्या निवारण समाधान शिविर का आयोजन किया गया। रीरी क्लस्टर अंतर्गत 19 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण बड़ी संख्या में शिविर में शामिल हुए तथा विभिन्न मांग एवं शिकायत संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज उपस्थित रहे। उन्होंने आमजन से संवाद करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा ग्रामीणों की समस्याएं, मांगें एवं सुझाव सुने। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक मिंज ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। समाधान शिविरों के माध्यम से शासन-प्रशासन सीधे गांवों तक पहुंचकर यह सुनिश्चित कर रहा है कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचे।

उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से यह जानकारी भी ली जा रही है कि कौन-कौन लोग योजनाओं से वंचित हैं, किसे लाभ मिल रहा है तथा क्षेत्र में विकास कार्यों एवं जनसेवाओं से संबंधित क्या समस्याएं और शिकायतें हैं। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर केवल आवेदन प्राप्त करने का मंच नहीं, बल्कि आम जनता की समस्याओं को सुनकर उनके प्रभावी निराकरण का माध्यम है।

आधुनिक मशीनों से संवर रही धमतरी की खेती

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बदलते दौर के साथ छत्तीसगढ़ का अन्नदाता भी अब पारंपरिक खेती की रूढ़ियों को छोड़ आधुनिकता की राह पर चल पड़ा है। विकसित धमतरी के संकल्प को साकार करने की दिशा में गुरुवार को एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया गया। जिले के कुरूद विकासखंड में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम ने क्षेत्र के 10 गाँवों के किसानों के लिए समृद्धि के नए द्वार खोल दिए हैं।

कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च एंड डेवलपमेंट संस्था द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र चर्रा (कुरूद) में आयोजित एक गरिमामय समारोह में जिले के 10 चयनित गाँवों के कस्टम हायरिंग सेंटरों के लिए आधुनिक सीड ड्रिल मशीनों का वितरण किया गया। इन मशीनों के मिलने से अब छोटे और सीमांत किसानों को भी कम लागत पर आधुनिक कृषि यंत्र आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे। इस योजना के तहत कन्हारपुरी, मोंगरा, कुर्रा, देवरी, राखी, गातापार, भैसबोड़, कुहकुहा, अटंग और बकली को लाभान्वित किया गया है। इस अवसर पर (कार्ड) फाउंडेशन और कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय कृषक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को धान की सीधी कतार बुवाई (डायरेक्ट सीडिंग राईस) तकनीक के गुर सिखाए।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह तकनीक धमतरी के किसानों के लिए गेम-चेंजर साबित होने वाली है क्योंकि इससे पारंपरिक रोपा पद्धति की तुलना में बीज और श्रम (मजदूरी) का खर्च बेहद कम हो जाता है। इस तकनीक से पानी की भारी बचत होती है, जो जल संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम है। कम लागत और वैज्ञानिक रख-रखाव से फसल की उत्पादकता और शुद्ध लाभ में सीधा इजाफा होता है।

सफलता की इस कहानी को प्रशासनिक नेतृत्व का भी पूरा समर्थन मिल रहा है। मामले पर खुशी जाहिर करते हुए कलेक्टर ने कहा कि राज्य शासन किसानों के हित के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। विकसित धमतरी के निर्माण में कृषि क्षेत्र की भूमिका सबसे अहम है। इन आधुनिक तकनीकों और कृषि यंत्रीकरण के जरिए हम छोटे से छोटे किसान की उत्पादन क्षमता और आय को दोगुना करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

जशपुर में मेडिकल कॉलेज स्थापना की दिशा में बड़ी प्रगति

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की दूरदर्शी पहल और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के संकल्प को साकार करने की दिशा में जशपुर जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में जशपुर में इसी शैक्षणिक सत्र से 50 एमबीबीएस सीटों के साथ मेडिकल कॉलेज प्रारंभ होने की संभावना है। मुख्यमंत्रीसाय की घोषणा के अनुरूप जशपुर में मेडिकल कॉलेज के साथ नर्सिंग कॉलेज, फिजियोथेरेपी कॉलेज एवं नेचुरोपैथी कॉलेज की स्थापना की भी प्रक्रिया जारी है। इन संस्थानों के शुरू होने से न केवल जिले के विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय चिकित्सा शिक्षा प्राप्त होगी, बल्कि क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को भी नई मजबूती मिलेगी।

मेडिकल कॉलेज प्रारंभ करने की तैयारियों का जायजा लेने तथा वैकल्पिक व्यवस्थाओं का मूल्यांकन करने के लिए 5 जून को रायपुर और अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज की विशेषज्ञ टीम जशपुर पहुंची। टीम ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल के लिए जिला चिकित्सालय जशपुर तथा शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन हेतु झारगांव स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने उपलब्ध अधोसंरचना, कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, अस्पताल सुविधाओं तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का विस्तृत अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि निर्धारित समय सीमा में सभी तैयारियां पूर्ण की जा सकें।

मेडिकल कॉलेज के संचालन से जशपुर सहित आसपास के आदिवासी एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

चिर्रा में सुशासन तिहार अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर का हुआ आयोजन

कोरबा। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनपद पंचायत कोरबा के ग्राम पंचायत चिर्रा में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। यह जनपद कोरबा क्षेत्र में आयोजित शिविरों की श्रृंखला का अंतिम शिविर रहा, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी मांगें का आवेदन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य रेणुका राठिया, जनपद पंचायत अध्यक्ष बिजमोती राठिया, विधायक प्रतिनिधि मानसिंह राठिया सहित क्लस्टर की सभी ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधि, अधिकारी - कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर पूजा-अर्चना और माल्यार्पण के साथ हुआ।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग

सीसीपीएल में रायपुर रायनोस की लगातार तीसरी जीत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग के चौथे दिन 6 जून को शहीद वीर नारायण सिंह अंर्तराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम नवा रायपुर में दो मैच खेले गए। पहला मैच राजनांदगांव पैंथर्स तथा रायगढ लायंस के मध्य खेला गया। जिसमें रायगढ़ लॉयन्य ने राजनांदगांव पैंथर्स को 19 रनों से हरा दिया। वहीं दूसरे मैच में रायपुर रायनोस ने बस्तर बायसंस पर जीत दर्ज की। रायपुर रायनोस की यह लगातार तीसरी जीत है।

शनिवार को खेले गए पहले मैच में राजनांदगाव पैंथर्स ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय किया। रायगढ लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 184 रनों का विशाल स्कोर बनाया। रायगढ लायंस की ओर से प्रारंभिक बल्लेबाज संगीत सोनी ने 59 रन तथा ऋषभ तिवारी ने 31 रनों का योगदान दिया, दोंनों के मध्य पहले विकेट के लिये 99 रनों की साझेदारी हुयी। वहीं राजनांदगाव पैंथर्स की ओर से आर्यन जायसवाल तथा सत्यम दुबे ने 2-2 विकेट प्राप्त किये।

185 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजनांदगाव पैंथर्स 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 165 रन ही बना पायी। राजनांदगांव पैंथर्स की ओर से साहिल रजत शरीफ ने 38 रन, आशीष डहरीया ने 30 रन तथा अमन त्रिपाठी ने 27 रनों का योगदान दिया। वहीं रायगढ लायंस की ओर से प्रवीण कुमार यादव ने 3 विकेट, सौम्य केशरी तथा शुभम अग्रवाल ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। रायगढ लायंस ने 19 रनों से मैच जीत लिया। प्रवीण कुमार यादव प्लेयर ऑफद मैच रहे।

रायपुर रायनोस ने पांच विकेट से दर्ज की जीत: शनिवार को दूसरा मैच बस्तर बायसंस तथा रायपुर रायनोस के मध्य खेला गया। रायपुर रायनोस ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय किया। बस्तर बायसंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 19.3 ओवरों में 10 विकेट खोकर 124 रन बनाये।

बस्तर बायसंस की ओर से अनुज तिवारी ने 35 रन, अम्बरीश कुमार ने 25 रन तथा देव आदित्य सिंह ने 21 रनों का योगदान दिया। रायपुर रायनोस की ओर से आशिष चौहान तथा मयंक यादव ने 3-3 विकेट प्राप्त किये। 125 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रायपुर रायनोस ने 15.1 ओवरों में 5 विकेट खोकर 126 रन बनाकर मैच आसानी से जीत लिया। रायपुर रायनोस की ओर से हर्ष शर्मा ने 56 रन तथा अमित कुमार यादव ने 30 रन बनाये।

बस्तर बायसंस की ओर से सौरभ मजुमदार ने 2 विकेट प्राप्त किया। रायपुर रायनोस ने 5 विकेट से मैच जीत लिया। हर्ष शर्मा प्लेयर ऑफद मैच रहे।

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

सड़क हादसे में आयुक्त के ड्राइवर की मौत

दुर्ग। जेवरा-सिरसा चौकी अंतर्गत सड़क किनारे बने डिवाइडर से टकराने के बाद मोटरसाइकिल चालक की मौत हो गई। मृतक दुर्ग संभागायुक्त के वाहन चालक के पद पर कार्यरत था। मामले में चौकी पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान त्रिभुवन तिवारी (58 वर्ष) निवासी सुभाष चौक, सुपेला के रूप में हुई है। वह शुक्रवार शाम करीब 4 बजे अपनी मोटरसाइकिल से बेलोदी मार्ग पर जा रहा था। इसी दौरान त्रिभुवन की बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह बाइक सहित दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही 112 की टीम मौके पर पहुंची और उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक मृतक दुर्ग कमिश्नर का वाहन चालक था। मामले में पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

सूने मकान में लाखों की चोरी, नकदी और जेवरात लेकर फरार हुए चोर

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा के व्यापार नगरी गीदम में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। बिती रात एक सूने मकान को चोरों ने निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के नकदी और जेवरात पर हाथ साफकर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लगातार हो रही चोरी की वारदातों से लोगों में पुलिस व्यवस्था को लेकर नाराजगी भी देखी जा रही है। जानकारी के अनुसार, वार्ड क्रमांक 06 में रहने वाला परिवार किसी पारिवारिक कार्यक्रम में घर में ताला लगाकर बाहर गया हुआ था। इस अवसर का फायदा उठाते हुए अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और कमरों में रखी अलमारियों व सामान को खंगाल डाला। चोर नगदी राशि के साथ सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। बताया जा रहा है कि जब परिवार के सदस्य वापस लौटे तो घर का ताला टूटा हुआ मिला और अंदर का सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी एवं अन्य स्थानों की जांच करने पर नगदी और जेवरात गायब मिले, जिसके बाद घटना की सूचना तत्काल गीदम पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा संदिग्ध गतिविधियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच शुरू कर दी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सप्ताह भर में इस वार्ड में चोरी की यह दूसरी बड़ी घटना है। लगातार हो रही चोरियों से नागरिकों में भय का माहौल है और लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। लोगों ने रात्रि गश्त बढ़ाने तथा चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन से प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

दुर्ग पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अंतर्राज्यीय ऑनलाइन सट्टा सिंडिकेट का भंडाफोड़, 9 आरोपी हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने अंतर्राज्यीय ऑनलाइन सट्टा गिरोह का भंडाफोड किया है। दुर्ग पुलिस ने सटीक सूचना एवं रणनीतिक कार्रवाई से नागपुर में संचालित ऑनलाइन सट्टा सेंटर पर छापा मारकर मास्टर माइंड सहित कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उत्तरप्रदेश एवं बिहार के युवकों को संगठित कर करोड़ों का अवैध सट्टा कारोबार चलाया जा रहा था। पुलिस ने 26 मोबाइल, 03 लैपटॉप, 02 आईपैड, 85 एटीएम कार्ड, 18 पास बुक एवं 45 सिम कार्ड सहित मारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण एवं दस्तावेज बरामद किया गया है। प्रतिमाह लगभग डेढ़ करोड़ रुपये का ऑनलाइन ट्रांजेक्शन का पता चला है जिसकी पुलिस विस्तृत जांच कर रही है।

दुर्ग पुलिस द्वारा अवैध ऑनलाइन सट्टा कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना छावनी पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त मिली कि सुभाष चौक कैंप 2 निवासी निशांत कुमार गुप्ता पिता राजेश गुप्ता (29) लंबे समय से विभिन्न राज्यों में छिपकर ऑनलाइन सट्टा संचालन का कार्य कर रहा है तथा वर्तमान में अपने निवास स्थान से भी ऑनलाइन क्रिकेट बेटिंग गतिविधियों का संचालन कर रहा है। सूचना पर थाना छावनी पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध निशांत कुमार गुप्ता को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

उसके मोबाइल फोन एवं अन्य डिजिटल उपकरणों की प्रारंभिक जांच में सूचना सही पाई गई। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह "C-B. Cricket Buzz Betting App" एवं "RubyBet" नामक ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म की आईडी संचालित करता है तथा पुलिस से बचने के उद्देश्य से अपने सहयोगियों को महाराष्ट्र राज्य के नागपुर शहर में किराये का मकान लेकर वहां से ऑनलाइन सट्टा संचालन करवाता है प्रारंभिक साक्ष्यों के आधार पर थाना छावनी में दिनांक 04/06/26 को अपराध क्रमांक 371/2026 पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

मुख्य आरोपी निशांत कुमार गुप्ता की निशानदेही पर दुर्ग पुलिस की विशेष टीम द्वारा नागपुर स्थित किराये के मकान में दबिश दी गई। मौके पर ऑनलाइन सट्टा संचालन करते हुए कुल 08 व्यक्तियों को रंगे हाथों पकड़ा गया पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे ऑनलाइन सट्टे में डिपॉजिट, विड्रॉल, अकाउंट संचालन, आईडी प्रबंधन एवं अन्य तकनीकी कार्य करते थे। जिसके बदले उन्हें प्रतिमाह लगभग 20,000 से 25,000 वेतन तथा अन्य सुविधाएं प्रदान की जाती थी। जांच में यह भी सामने आया कि युवकों को लालच देकर संगठित रूप से ऑनलाइन सट्टा संचालन में लगाया गया था।

आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उनके द्वारा प्रतिदिन लगभग 4 से 5 लाख का ऑनलाइन लेन-देन किया जाता था, जो प्रतिमाह लगभग 1.50 करोड़ तक पहुंचता था मुख्य आरोपी निशांत कुमार गुप्ता विभिन्न राज्यों में स्थान बदल-बदल कर ऑनलाइन सट्टा संचालन का कार्य कर रहा था। पुलिस जांच में यह तथ्य सामने आया है कि आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदलकर एवं अन्य राज्यों में रहकर अवैध गतिविधियों को संचालित करता था, जिससे उसके विरुद्ध पूर्व में प्रभावी कानूनी कार्रवाई से बचता था। प्रकरण की विवेचना के दौरान आरोपियों के कब्जे से बड़ी संख्या में बैंक खातों से संबंधित दस्तावेज, एटीएम कार्ड, पासबुक, सिम कार्ड एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य बरामद हुए।

जांच में प्रथम दृष्टया यह तथ्य सामने आया कि उक्त बैंक खाते, एटीएम कार्ड एवं मोबाइल सिम कार्ड वास्तविक खाताधारकों एवं व्यक्तियों से बेईमानी, छलपूर्वक अथवा अन्य अवैध तरीकों से प्राप्त किए गए थे तथा उनका उपयोग ऑनलाइन सट्टे से प्राप्त धनराशि के संग्रहण, हस्तांतरण एवं छिपाने के लिए किया जा रहा था। ऑनलाइन सट्टे से प्राप्त राशि को विभिन्न बैंक खातों में जमा कर परत-दर-परत ट्रांसफर किया जाता था, जिससे वास्तविक लाभार्थियों एवं अपराध से अर्जित धनराशि के स्रोत को छिपाया जा सके। इस संबंध में आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(4), 318 (4) तथा टेलीकॉम अधिनियम की धारा 42 के तहत भीवैधानिक कार्यवाही की गई है।

विवेचना के दौरान यह भी पता चला कि मुख्य आरोपी निशांत कुमार गुप्ता द्वारा पिछले कई वर्षों से ऑनलाइन सट्टा संचालन से अर्जित अवैध धनराशि का उपयोग महंगे आभूषण एवं अन्य संपत्तियां अर्जित करने में किया गया। जांच में यह तथ्य सामने आया कि आरोपी द्वारा खरीदे गए सोने एवं डायमंड मिश्रित आभूषण महावीर ज्वेलर्स, पावर हाउस भिलाई में 10 माह पूर्व गिरवी रखे गए थे।

गिरफ्तार आरोपियों में मुख्य आरोपी निशांत कुमार गुप्ता सहित अखिलेश यादव (22) निवासी खुड़ापार, थाना मेहनगर, जिला आजमगढ़ (उप्र), पंकज यादव (22), निवासी खुड़ापार, थाना मेहनगर, जिला आजमगढ़ (उप्र), आशीष जायसवाल (20) निवासी खेरी कोठा, थाना मधुवन, जिला मऊ (उप्र), विशाल पटेल (29), निवासी बरवा विद्यापति, थाना महाराजगंज, जिला महाराजगंज (उप्र), शिवम चौहान (23) निवासी झउवा, थाना मेहनगर, जिला आजमगढ़ (उप्र), जयहिंद यादव (22), निवासी कुढ़ापार, थाना मेहनगर, जिला आजमगढ़ (उप्र), वेचन मुखिया (24) निवासी बेनीपुर, थाना बहेड़ा, जिला दरभंगा (बिहार) तथा भागीरथ राम 35 वर्ष, निवासी नयागांव, थाना रेयाम, जिला दरभंगा (बिहार) शामिल हैं। आरोपियों के पास से 26 एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 3 लैपटॉप, 2 आईपैड, 85 एटीएम कार्ड, 18 बैंक पासबुक, 19 एक्सटेंशन बोर्ड, लैपटॉप चार्जर, मोबाइल चार्जर 7, पावर बैंक 19, टीवी कनेक्टर 19, चेकबुक, आधार कार्ड, सिम कार्ड 45, हिसाब-किताब रजिस्टर एवं दस्तावेज, नगदी राशि 1 लाख 54 हजार 620 रुपए और 23 लाख रुपए मूल्य के सोने एवं डायमंड के आभूषण जब्त किया गया है।

कुवैत से फोन कर पत्नी को दिया तीन तलाक, आरोपी नागपुर से गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में फोन पर तीन तलाक देने का मामला सामने आया है। विदेश में रहकर पत्नी को फोन पर तीन तलाक देने वाले आरोपी पति को रायपुर पुलिस ने नागपुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान शाहिद रजा के रूप में हुई है। पुलिस उसे गिरफ्तार कर रायपुर ले आई है। कार्रवाई के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम के साथ झूमाझटकी भी की। वहीं उसकी मां नाबालिग बच्ची को लेकर मौके से फरार हो गई, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, राजातालाब निवासी सय्यद अजरा ताजी की शादी वर्ष 2008 में चौरसिया कॉलोनी निवासी शाहिद रजा से हुई थी। शादी के बाद उनके दो बच्चे हुए। कुछ साल पहले शाहिद रोजगार के लिए कुवैत चला गया और वहीं एक निजी कंपनी में काम करने लगा। आरोप है कि विदेश जाने के बाद वह न तो घर लौटा और न ही पत्नी और बच्चों को अपने पास बुलाया, जिससे दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था।

पीड़िता ने शिकायत में बताया कि कुछ दिन पहले शाहिद ने कुवैत से फोन किया। बातचीत के दौरान उसने गाली-गलौज की और विरोध करने पर फोन पर ही तीन बार तलाक बोल दिया। इसके बाद उसने पत्नी के रूप में स्वीकार करने से भी इनकार कर दिया। घटना के बाद महिला ने सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। इसी बीच शाहिद के भारत लौटने की सूचना मिली। तकनीकी साक्ष्यों और सूचना तंत्र की मदद से पुलिस ने नागपुर में उसकी लोकेशन ट्रेस की और वहां से गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस फरार महिला और नाबालिग बच्ची की तलाश में भी जुटी हुई है। मामले की जांच जारी है।

पेट्रोल पंप संचालक के पेट में मारा चाकू कोर्ट ने आरोपी को सुनाई 7 साल की सजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ जिले में पेट्रोल पंप संचालक पर चाकू से हमला कर कैश से भरा बैग लूटने वाले आरोपी को अदालत ने 7 साल की सजा सुनाई है। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। मामले की सुनवाई के बाद अपर सत्र न्यायाधीश अभिषेक शर्मा ने आरोपी को सश्रम कारावास और अर्थदंड से दंडित किया है।

मामला घरघोड़ा थाना क्षेत्र का है। अपर लोक अभियोजक राजेश सिंह ठाकुर ने बताया कि घरघोड़ा थाना के अपराध क्रमांक 106/2024 के अनुसार 28 अप्रैल 2024 की रात करीब 11 से 12 बजे के बीच कसैया स्थित गोमती फ्यूल्स पेट्रोल पंप के कार्यालय में कर्मचारी राजकुमार यादव और उमेश यादव सो रहे थे।

वहीं पंप संचालक खीरू राय कार्यालय में कंप्यूटर पर काम कर रहे थे। इसी दौरान आरोपी अस्मित नाग कार्यालय में घुसा और वहां रखा कैश का बैग उठाकर बाहर जाने लगा। खीरू राय ने उसका पीछा कर बैग छीनने की कोशिश की और उससे बैग ले जाने का कारण पूछा।

विरोध करने पर चाकू से किया हमला

बैग छीनने का विरोध करने पर आरोपी ने खीरू राय के पेट में चाकू से दो वार कर दिए और घरघोड़ा शासकीय कॉलेज की ओर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। घटना के दौरान हुए शोर-शराबे को सुनकर पेट्रोल पंप के अन्य कर्मचारी जाग गए और उन्होंने अपने मैनेजर को सूचना दी। इसके बाद घायल खीरू राय को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रायगढ़ रेफर कर दिया गया। घटना के बाद पेट्रोल पंप कर्मचारी राजकुमार यादव ने घरघोड़ा थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर तत्कालीन उपनिरीक्षक करमू साय पैंकरा के नेतृत्व में जांच शुरू की।

पूछताछ में आरोपी ने कबूला जुर्म

जांच के दौरान पुलिस ने संदेही अस्मित नाग को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने अपराध करना स्वीकार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने विवेचना पूरी कर आरोपी के खिलाफ चालान न्यायालय में पेश किया।

कोर्ट ने सुनाई 7 साल की सजा

मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने सभी गवाहों के बयान और दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी अस्मित नाग को भारतीय दंड संहिता की धारा 458, 394 और 307 के तहत दोषी पाया। अपर सत्र न्यायाधीश अभिषेक शर्मा ने आरोपी को अलग-अलग धाराओं में 7-7 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 2 हजार रुपए के अर्थदंड से भी दंडित किया।

पुलिस ने पकड़ी 70 लाख की अवैध शराब एमपी से महाराष्ट्र ले जाई जा रही थी खेप

श्रीकंचनपथ न्यूज

मोहला। छत्तीसगढ़ में अंतरराज्यीय तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के मानपुर चेकप्वाइंट पर पुलिस ने एक ट्रक से करीब 70 लाख रुपये मूल्य की अवैध शराब बरामद की है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार दोपहर मानपुर मुख्यालय स्थित चेकप्वाइंट पर पुलिस ने एक संदिग्ध अशोक लीलैंड ट्रक (सीजी 15 डीजेड 4515) को रोककर जांच की। तलाशी के दौरान ट्रक में बड़ी मात्रा में मध्य प्रदेश निर्मित शराब छिपाकर रखी गई मिली। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि शराब की खेप मध्य प्रदेश के मुलताई से महाराष्ट्र के गढ़चिरौली भेजी जा रही थी।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, शराब को अवैध रूप से सप्लाई करने की तैयारी थी, लेकिन चेकिंग के दौरान समय रहते पूरी खेप पकड़ ली गई। जब्त शराब की अनुमानित कीमतद्व करीब 70 लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस अब इस पूरे तस्करी नेटवर्क की जांच में जुट गई है। अधिकारियों का कहना है कि यह पता लगाया जा रहा है कि इस अवैध कारोबार में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा क्या इससे पहले भी इसी मार्ग का उपयोग कर शराब की तस्करी की गई है। जांच एजेंसियां तस्करी से जुड़े अन्य आरोपियों और नेटवर्क के सरगनाओं तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं।

पुलिस का मानना है कि मध्य प्रदेश से महाराष्ट्र तक अवैध शराब की सप्लाई के लिए इस रूट का लंबे समय से इस्तेमाल किया जाता रहा है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

बलौदा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 40 पाव अवैध देशी शराब के साथ युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर आरोपी को भेजा गया जेल

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा पुलिस द्वारा अवैध शराब कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में बलौदा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 40 पाव देशी प्लेन शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में जिलेभर में अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लगाने विशेष अभियान चलाया जा रहा है। थाना बलौदा प्रभारी निरीक्षक मनोहर सिन्हा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ने में सफलता हासिल की।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी रोशन मिरी, उम्र 33 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 11 रामनगर बलौदा थाना बलौदा है। सूचना मिली थी कि आरोपी अवैध रूप से शराब बिक्री कर रहा है। इसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर रेड कार्रवाई की।

तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से सफेद रंग के प्लास्टिक थैले में छिपाकर रखी गई 40 पाव 'युनिक देशी प्लेन मदिरा' बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर 06 जून 2026 को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में निरीक्षक मनोहर सिन्हा, सहायक उप निरीक्षक कौशल सिदार, प्रशिक्षु उप निरीक्षक ओमकार वर्मा, आरक्षक संदीप सोनंत, रज्जू रात्रे, प्रहलाद निर्मलकर, संतोष रात्रे तथा महिला आरक्षक रूखमणी निर्मलकर साहू का विशेष योगदान रहा।

व्यापारी ने खुद छिपाए थे 3.15 लाख रुपए, घरवालों के डर से रची थी साजिश

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। थाना अकलतरा पुलिस ने चोरी की झूठी रिपोर्ट का पर्दाफाश करते हुए एक किराना व्यापारी से 3 लाख 15 हजार 746 रुपए बरामद किए हैं। व्यापारी ने उधारी छुपाने और घरवालों के डर से चोरी की फर्जी कहानी बनाकर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में अकलतरा पुलिस ने त्वरित जांच करते हुए मामले का खुलासा किया।

प्रार्थी चिराग अग्रवाल निवासी तरौद, थाना अकलतरा ने 4 जून 2026 को थाना पहुंचकर बताया था कि वह होलसेल किराना दुकान संचालित करता है। उसने बताया कि शाम करीब 7:30 बजे कमला नारायण राइस मिल से धान बिक्री के 3,15,746 रुपए लेकर स्कूटी की डिक्की में रखकर घर जा रहा था।

रास्ते में वह शास्त्री चौक स्थित अरोरा मेडिकल में दवा लेने रुका और बाद में सिंघानिया पेट्रोल पंप के पास से शिवा साहू को बैठाकर कन्हैया जनरल स्टोर गया। घर पहुंचने पर डिक्की से रुपए गायब मिले। शिकायत पर थाना अकलतरा में अपराध क्रमांक 320/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने अरोरा मेडिकल, कन्हैया जनरल स्टोर और अकलतरा रोड के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, लेकिन कहीं भी चोरी की घटना या संदिग्ध व्यक्ति नजर नहीं आया।

कन्हैया जनरल स्टोर संचालक ने भी बताया कि स्कूटी दुकान के सामने खड़ी थी और उस दौरान कोई व्यक्ति उसके पास नहीं आया। वहीं शिवा साहू ने भी पुष्टि की कि चिराग कहीं और नहीं रुका था। पुलिस को संदेह होने पर चिराग अग्रवाल से मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ की गई, जिसमें वह टूट गया और सच कबूल कर लिया। चिराग ने बताया कि उसकी निजी उधारी हो गई थी, जिसकी जानकारी घरवालों को थी। डर के कारण उसने रकम अपने पास रख ली और चोरी की झूठी रिपोर्ट दर्ज करा दी। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर पूरी रकम 3,15,746 रुपए बरामद कर जप्त कर ली है।

पुलिस ने बताया कि झूठी रिपोर्ट दर्ज कराने के मामले में प्रार्थी के खिलाफ पृथक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गैस एजेंसी मैनेजर से 10 लाख की लूट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में शनिवार को गैस एजेंसी के मैनेजर से 10 लाख रुपए की लूट हुई है। बाइक सवार 3 नकाबपोश लुटेरों ने दिनदहाड़े वारदात को अंजाम दिया है, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि ऑफिस के सामने कार पार्क करने के दौरान बदमाश पहले मैनेजर को क्रॉस कर आगे निकल जाते हैं। बाद में वे दोबारा मुड़कर वापस आते हैं। जैसे ही मैनेजर कैश से भरा बैग लेकर गाड़ी से उतरता है, बदमाश यू-टर्न लेकर उसके पास पहुंचते हैं और बैग छीनकर फरार हो जाते हैं।

मैनेजर बाइक सवार लूटेरों के पीछे भागता है, लेकिन वह उन्हें पकड़ नहीं पाता। हालांकि, पीड़ित ने इस मामले के शिकायत थाने में दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। मामला डीडी नगर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक पीड़ित का नाम श्रवण साहू है। वह महोबा बाजार का निवासी है और निजी गैस एजेंसी में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। शनिवार शाम करीब 7 बजे श्रवण एजेंसी के भुगतान से संबंधित रकम लेने अग्रसेन चौक स्थित कार्यालय पहुंचा था।

वहां से करीब 10 लाख रुपए लेकर वह अपनी कार से टाटीबंध स्थित मुख्य कार्यालय के लिए रवाना हुआ। रास्ते में डगनिया बाजार के पास पहले से घात लगाए बैठे बदमाशों ने उसे अपना निशाना बना लिया।

पुलिस को आशंका है कि आरोपियों ने पहले से मैनेजर की गतिविधियों की रेकी कर रखी थी। पीड़ित श्रवण साहू ने बताया कि तीनों बदमाशों ने अपने चेहरे स्कार्फ से ढक रखे थे, जिससे उनकी पहचान नहीं हो सकी। घटना इतनी तेजी से हुई कि वह आरोपियों का हुलिया भी ठीक से नहीं देख पाए।

सूचना मिलते ही डीडी नगर थाना प्रभारी गौतम गावड़े पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। थाना प्रभारी का कहना है कि तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और संदिग्धों के संभावित भागने के रास्तों के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

खास खबर

साय ने 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत लगाया पीपल का पौधा

गरियाबंद। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित संभागीय समीक्षा बैठक में शामिल होने गरियाबंद पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जिला पंचायत कार्यालय परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पीपल का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण का संदेश दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गत वर्ष 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत की गई थी। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

सुशासन तिहार में निर्मल राम को मिला किसान क्रेडिट कार्ड

सरगुजा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार के तहत गांव-गांव आयोजित समाधान शिविरों में किसानों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है और उन्हें विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ सीधे उपलब्ध कराया जा रहा है। सरगुजा जिले के ग्राम लटोरी निवासी किसान निर्मल राम को सुशासन तिहार के दौरान किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) का लाभ मिला है। केसीसी बनने से अब उन्हें खेती-किसानी के लिए आवश्यक आर्थिक सहायता, खाद और बीज की उपलब्धता पहले की अपेक्षा अधिक सहज हो गई है। निर्मल राम ने बताया कि किसान क्रेडिट कार्ड नहीं होने के कारण उन्हें खेती के दौरान आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। खाद और बीज निजी दुकानों से अधिक कीमत पर खरीदने पड़ते थे, जिससे खेती की लागत बढ़ जाती थी। सुशासन शिविर में आवेदन देने पर उनका किसान क्रेडिट कार्ड तत्काल बन गया।

भारत ने रचा इतिहास, पुरुष टीम बनी -18 एशिया कप चैंपियन, महिला टीम ने जीता कांस्य

- वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने दी बधाई एवं शुभकामनाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए -18 एशिया कप 2026 का खिताब अपने नाम कर देश को गौरवान्वित किया है। वहीं भारतीय महिला -18 हॉकी टीम ने भी उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल कर भारत का मान बढ़ाया है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने भारतीय पुरुष एवं महिला हॉकी टीम के सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम द्वारा -18 एशिया कप का खिताब जीतना देश के लिए गौरव का क्षण है। साथ ही महिला टीम द्वारा कांस्य पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करना भी भारतीय खेल प्रतिभा और समर्पण का परिचायक है।

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन, टीम भावना और देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। यह सफलता आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों को खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। भारत की युवा हॉकी प्रतिभाओं ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि देश खेलों के क्षेत्र में निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि देश को आप सभी पर गर्व है।

सक्ती का यह गांव बनेगा नगर पंचायत

ठठारी में सुशासन : बरगद की छांव में लगी सीएम की चौपाल, ग्रामीणों से किया संवाद

श्रीकंचनपथ समाचार

सक्ति। सुशासन तिहार के अंतर्गत सक्ती जिले के ग्राम ठठारी के प्रवास पर पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने चतुर्भुज तालाब पार स्थित विशाल बरगद के पेड़ की छांव में जनचौपाल लगाकर ग्रामीणों से आत्मीय संवाद किया। खुले वातावरण में आयोजित इस चौपाल में मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुनीं, सुझाव प्राप्त किए तथा शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का प्रत्यक्ष फीडबैक लिया।

जनचौपाल को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य केवल योजनाओं की समीक्षा करना नहीं, बल्कि यह जानना भी है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ वास्तव में अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है या नहीं। उन्होंने ग्रामीणों से महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, बिजली, पानी तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में शीघ्र ही अत्याधुनिक सीएम हेल्पलाइन शुरू की जाएगी, जिसके माध्यम से नागरिक टोल फ्री नंबर, ईमेल और व्हाट्सएप के जरिए अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। शिकायतों के समयबद्ध निराकरण की व्यवस्था होगी तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हाल ही में महतारी वंदन योजना की 28वीं किस्त के रूप में प्रदेश की लगभग 70 लाख महिलाओं के खातों में राशि अंतरित की गई है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और सम्मान के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की जानकारी देते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की सब्सिडी का लाभ लेकर उपभोक्ता बिजली खर्च में उल्लेखनीय कमी ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि श्री रामलला दर्शन योजना और मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से श्रद्धालुओं को तीर्थ यात्रा का अवसर दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य किए जा रहे हैं तथा बस्तर में जनता के सहयोग से शांति और विकास का नया वातावरण स्थापित हुआ है।

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के समक्ष गांव की आवश्यकताओं, विकास कार्यों तथा विभिन्न योजनाओं से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। मुख्यमंत्री ने उनकी मांगों और सुझावों को गंभीरता से सुनते हुए क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने चतुर्भुज विष्णु मंदिर के निकट श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आरती घाट निर्माण की घोषणा की। ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए ठठारी में बैंक शाखा खोलने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने ठठारी को नगर पंचायत बनाने के लिए प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने हेतु कलेक्टर को निर्देशित करते हुए कहा कि आने वाले समय में ठठारी को नगर पंचायत का दर्जा दिया जाएगा।

युवाओं को आज भी प्रेरित करते हैं शिवाजी महाराज के आदर्श:राज्यपाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज महाराष्ट्र मंडल रायपुर में छत्रपति शिवाजी महाराज राज्याभिषेक समारोह दिवस में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का जीवन साहस, स्वाभिमान, सुशासन और राष्ट्रभक्ति का अद्वितीय उदाहरण है, जो आज भी युवा पीढ़ी को प्रेरणा देता है।

राज्यपाल ने कहा कि 6 जून 1674 को रायगढ़ दुर्ग में हुआ शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक केवल एक राजतिलक नहीं, बल्कि स्वतंत्र हिंदवी स्वराज की स्थापना का ऐतिहासिक क्षण था। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज ने अपने पराक्रम, दूरदर्शिता और कुशल नेतृत्व से स्वराज की मजबूत नींव रखी तथा करोड़ों भारतीयों में आत्मसम्मान और आत्मविश्वास का संचार किया। शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित अष्टप्रधान व्यवस्था, संगठित नौसेना तथा जनकल्याणकारी नीतियां आज भी प्रासंगिक हैं।

राज्यपाल ने महाराष्ट्र मंडल की 91 वर्षों की गौरवशाली सेवा यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि संस्था द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक और शैक्षणिक प्रकल्प समाज सेवा की उत्कृष्ट मिसाल हैं।

श्री डेका ने कार्यक्रम में शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाले चार बच्चों को पांच -पांच हजार रुपए की राशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की तथा महाराष्ट्र मंडल को एक एंबुलेंस प्रदान करने की भी घोषणा की।

बेसबॉल के राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों का उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित 31वीं राष्ट्रीय सब जूनियर बेसबॉल बालक एवं बालिका प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले कवर्धा के खिलाड़ियों से उप मुख्यमंत्री एवं विधायक कवर्धा श्री विजय शर्मा ने अपने कवर्धा स्थित निवास कार्यालय में मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एमेच्योर बेसबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 24 से 29 मई तक आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रयास स्पोर्ट्स अकादमी कवर्धा के पांच खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ टीम में चयन हुआ था। इनमें बालक वर्ग से चंद्रेश कोर्राम, पंकज मेरावी और शुभम सेन तथा बालिका वर्ग से चांदनी साहू और जयश्री घृतलहरे शामिल थीं। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की बालक टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि बालिका टीम ने रजत पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि ग्रामीण अंचलों से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करना पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। खिलाड़ियों की यह सफलता आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनेगी।

अकादमी के प्रशिक्षक राजा जोशी ने बताया कि खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हुआ था। राष्ट्रीय प्रतियोगिता के दौरान छत्तीसगढ़ की बालक टीम ने मध्यप्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, राजस्थान और दिल्ली जैसी मजबूत टीमों को हराकर फाइनल में महाराष्ट्र को 6-2 से पराजित कर राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में चंद्रेश कोर्राम ने शानदार होमरन लगाकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में तीन होमरन लगाए।

वहीं बालिका वर्ग में छत्तीसगढ़ टीम ने दिल्ली, तेलंगाना और मेजबान ओडिशा को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। हालांकि फाइनल वह महाराष्ट्र से हार गई। चांदनी साहू और जयश्री घृतलहरे ने टीम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। खिलाड़ियों की इस राष्ट्रीय उपलब्धि पर खेल प्रेमियों, अभिभावकों और जिलेवासियों में उत्साह का माहौल है।

नैनो उर्वरकों से खेती में कम लागत में बेहतर उत्पादन मिल रहा

अम्बिकापुर। आधुनिक कृषि तकनीकों और नवाचारों को अपनाकर ग्रामीण भारत के किसान अपनी आय में वृद्धि कर रहे हैं। लुण्ड्रा विकासखंड के ग्राम पंचायत चित्तरपुर के प्रगतिशील कृषक, विजय शंकर ने पारंपरिक खेती के तरीकों से आगे बढ़ते हुए श्नैनो यूरिया और डीएपी का सफल उपयोग कर अन्य किसानों के लिए एक बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया है। लंबे समय से कृषि कार्य से जुड़े विजय शंकर पिछले दो वर्षों से अपने खेतों में इन अत्याधुनिक तरल उर्वरकों का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस नई तकनीक ने खेती को अत्यंत सुलभ और लाभकारी बना दिया है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक दानेदार उर्वरकों के छिड़काव में अधिक शारीरिक श्रम एवं बाहरी मजदूरों की आवश्यकता पड़ती थी, जबकि तरल उर्वरकों के उपयोग से यह निर्भरता समाप्त हो गई है। अब परिवार के सदस्य स्वयं आसानी से खेतों में इसका छिड़काव कर लेते हैं।

विष्णुदेव ने चतुर्भुज विष्णु की पूजा कर मांगा सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार के अंतर्गत आज सक्ती जिले के जैजैपुर विकासखंड स्थित ग्राम ठठारी पहुंचकर ऐतिहासिक चतुर्भुज विष्णु मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान विष्णु से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना करते हुए छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास के लिए आशीर्वाद मांगा। यह प्राचीन मंदिर क्षेत्र की आस्था, संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। स्थानीय जनश्रुतियों के अनुसार यहां स्थापित भगवान विष्णु की प्रतिमा चौथी शताब्दी की मानी जाती है, जो इस स्थल की ऐतिहासिक महत्ता को और अधिक विशेष बनाती है।

उल्लेखनीय है कि सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय लगातार प्रदेश के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर आमजन से सीधे संवाद कर रहे हैं। जनसमस्याओं और विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति का प्रत्यक्ष फीडबैक ले रहे हैं।

इसी क्रम में श्री साय ग्राम ठठारी में आयोजित जनचौपाल में भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। इस अवसर पर सांसद कमलेश जांगड़े, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव रजत बंसल, कलेक्टर अमृत विकास तोपनो, पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सुपेबेड़ा की पेयजल समस्या के स्थायी समाधान हेतु तेल नदी पर बनेगा एनीकट

खाद-बीज में छोटे किसानों को मिले प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

गरियाबंद। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि किसानों को खाद और बीज की उपलब्धता में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। छोटे और सीमांत किसानों को प्राथमिकता के आधार पर खाद-बीज उपलब्ध कराया जाए तथा इसकी जवाबदेही संबंधित कलेक्टरों की होगी। मुख्यमंत्री ने कृषि अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे गांव-गांव जाकर किसानों को नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के लाभों की जानकारी दें ताकि आधुनिक कृषि तकनीकों का अधिकतम उपयोग हो सके। उन्होंने अवैध रेत उत्खनन के विरुद्ध तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय आज गरियाबंद जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में रायपुर संभाग के जिलों की संभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। लगभग साढ़े तीन घंटे तक चली इस मैराथन समीक्षा बैठक में रायपुर, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद और बलौदाबाजार जिलों के कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास योजनाओं, कानून-व्यवस्था, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने गरियाबंद जिले के सुपेबेड़ा क्षेत्र में पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए तेल नदी पर एनीकट निर्माण हेतु 7 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने कहा कि लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और पेयजल जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आम नागरिकों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होनी चाहिए तथा प्रशासन के प्रति जनता की शिकायतों को न्यूनतम स्तर पर लाने के लिए संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य किया जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में तेजी लाने, टीबी मुक्त पंचायतों के निर्माण, आयुष्मान कार्डों का शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने, जल जीवन मिशन के कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के पात्र हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार केवल शिकायतों के निराकरण का अभियान नहीं बल्कि शासन की योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने और जनता से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करने का माध्यम है। इसी उद्देश्य से वे स्वयं विभिन्न जिलों का दौरा कर क्रियान्वयन का फीडबैक प्राप्त कर रहे हैं।

समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री आवास , प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, आयुष्मान भारत योजना, जल जीवन मिशन, बिहान, तेंदूपत्ता संग्रहण, महतारी वंदन योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि तथा धान उपार्जन एवं उठाव की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

सुशासन तिहार : एक ही आवेदन में बने जाति और निवास प्रमाण पत्र

सरगुजा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहा है। शासन की इस पहल से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को आवश्यक शासकीय सेवाएं और प्रमाण पत्र अब उनके गांव में ही उपलब्ध हो रहे हैं। सरगुजा जिले के लखनपुर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत लटोरी में आयोजित समाधान शिविर में ग्राम गुमगरा निवासी श्री देवनंदन की महत्वपूर्ण समस्या का त्वरित निराकरण किया गया। उनके बच्चों के जाति और निवास प्रमाण पत्र नहीं बन पाने के कारण छात्रवृत्ति एवं अन्य शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ मिलने में कठिनाई हो रही थी। सुशासन तिहार के तहत आयोजित शिविर में देवनंदन ने आवेदन प्रस्तुत किया। प्रशासन ने तत्परता से आवश्यक प्रक्रिया पूरी की और उनके बच्चों के जाति एवं निवास प्रमाण पत्र तैयार कर दिया।

युक्तियुक्तकरण की अवहेलना पर एक्शन, 273 शिक्षकों का वेतन रुका

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग की महत्वाकांक्षी युक्तियुक्तिकरण योजना का पालन नहीं करने वाले शिक्षकों और अधिकारियों पर लोक शिक्षण संचालनालय ने सख्त रुख अपनाया है। युक्तियुक्तिकरण के तहत जारी पदस्थापना आदेश के बावजूद नई पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण नहीं करने वाले प्रदेशभर के 273 शिक्षकों की सैलरी रोक दी गई है। इसके साथ ही 5 संयुक्त संचालकों और 33 जिला शिक्षा अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है।

डीपीआई ने स्पष्ट किया है कि युक्तियुक्तिकरण प्रक्रिया पूरी होने के बाद जिन शिक्षकों को दूसरे स्कूलों में पदस्थापना दी गई थी, उनमें से कई अब तक नए विद्यालयों में ज्वाइन नहीं हुए हैं। इसे शासन के आदेशों की अवहेलना मानते हुए कार्रवाई की गई है। विभाग ने संबंधित अधिकारियों से पूछा है कि बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद ऐसे शिक्षकों के खिलाफ अब तक प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

तीन दिन में मांगा जवाब

डीपीआई ने नोटिस जारी करते हुए संबंधित जेडी और डीईओ को तीन दिन के भीतर जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी।

किन-किन शिक्षकों की सैलरी रोकी गई

डीपीआई के अनुसार पदस्थापना आदेश का पालन नहीं करने वालों में विभिन्न संवर्गों के शिक्षक शामिल हैं। इनमें:

- 134 प्राथमिक शिक्षक
- 71 व्याख्याता (लेक्चरर)
- 42 शिक्षक वर्ग-2
- 15 प्रधान पाठक (हेड मास्टर)
- 1 प्राचार्य

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950